गुरुवार, 8 मई 2025

मौसम

तापमान 38 – 28
आर्द्रता 77%
सूर्योदय: 5:00 सूर्यास्त: 18:06

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

भारत–पाक के बीच तनाव पर ट्रंप ने कहा– 'अगर मैं कुछ मदद कर सका तो जरूर करूंगा'

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख शुक्लपक्ष एकादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जो व्यक्ति अपने समय का सम्मान करता है, वो अपने जीवन के सारे लक्ष्य प्राप्त करता है।

OPERATION SINDOOR

भारत की एयर स्ट्राइक से दहला पाकिस्तान

जैश–ए–मोहम्मद का कम्युनिकेशन नेटवर्क तबाह

नयी दिल्ली : 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए सख्त जवाबी कार्रवाई में मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं। भारत की ''नपी–तुली, टकराव को नहीं बढ़ाने वाली, संतुलित और जिम्मेदाराना'' कार्रवाई 25 मिनट तक चली। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले खबर है कि भारत ने पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद समेत 21 आतंकी ठिकानों को मिसाइल से हमले से तबाह कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया का दावे के कुछ ही देर बाद भारत सरकार की ओर से भी हमले की आधिकारिक पुष्टि कर दी गई है। हमले के बाद से पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। भारत ने मुजफ्फराबाद, कोटली और बहावलपुर में आतंकी ठिकानों पर बड़ा मिसाइल हमला किया है। इस हमले में बड़ी संख्या में आतंकियों के मारे जाने की आशंका है। अब तक अन्य आतंकी ठिकानों पर कुल मिलाकर 100 से ज्यादा आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद के करीब 100 आतंकियों के मारे जाने की बात सामने आई है। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। भारत ने पाकिस्तान के सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है और भारतीय सेना ने भी इस बात को प्रेस ब्रीफ में कन्फर्म किया है। यह पाकिस्तान पर किया गया भारत की ओर से अब तक का सबसे बड़ा मिसाइल हमला है।

स्कैल्प मिसाइल का उपयोग हुआ,रेंज 560 किमी. पृष्ठ 7

कई आतंकी ठिकाने तबाह

100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए

हमले में जैश प्रमुख मसूद अजहर का कुनबा साफ

लाहौर : जैश–ए–मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने बुधवार को कबूल किया कि बहावलपुर में उसके संगठन के मुख्यालय पर भारतीय मिसाइल हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए हैं। अजहर के हवाले से जारी एक बयान में कहा गया कि बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह पर हमले में मारे गए लोगों में जैश सरगना की बड़ी बहन और उसका पति, एक भांजा और उसकी पत्नी, एक भांजी और परिवार के पांच अन्य बच्चे शामिल हैं। बयान में कहा गया कि हमले में अजहर के एक करीबी सहयोगी और उसकी मां तथा दो अन्य करीबी साथियों की भी जान चली गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुना 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मू को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी

पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों के हमले का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुना। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया। आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी जिनमें सभी पुरुष थे और सूत्रों के अनुसार अनेक मृतकों की पीड़ित पत्नियों को ध्यान में रखते हुए जवाबी अभियान के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम सबसे मुफ़ीद समझा गया। प्रधानमंत्री मोदी ने रातभर अभियान पर नजर रखी और बाद में सफल हमले के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल की साप्ताहिक बैठक में सशस्त्र बलों की प्रशंसा की। सूत्रों ने बताया कि पहलगाम में नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए इस सैन्य अभियान का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखना प्रधानमंत्री का विचार था। भारतीय परंपरा में विवाहित महिलाएं 'सिंदूर' का इस्तेमाल करती हैं। पहलगाम के इस हमले में कुछ नवविवाहित युवक भी मारे गए थे और उनकी विधवाओं के शोकाकुल चेहरों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा कर दी थी।

हनुमान जी के आदर्श का पालन किया, उन्हीं को मारा जिन्होंने मासूमों की जान ली

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए मैं हमारी सेना के जवानों और अधिकारियों को पूरे देश की ओर से साधुवाद देता हूं। और सेना को संपूर्ण सम्बल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी साधुवाद देता हूं। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा, 'हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया था– जिन मोहि मारा, तिन मोहि मारे। अर्थात केवल उन्हीं को मारा जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा।'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च करके, पहले की तरह ही, इस बार भी आतंकियों को ट्रेनिंग देने वाले कैम्पों को तबाह करके करारा जवाब दिया है। भारत ने अपनी सरजमीं पर हुए हमले का जवाब देने के लिए, अपने 'राइट टू रिस्पॉन्ड' का इस्तेमाल किया है। हमने यह कार्रवाई बेहद सोच–समझकर, सधे हुए तरीके से की गई है। आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से, यह कार्रवाई महज उनके कैम्पों, और बुनियादी ढ़ांचे तक ही सीमित रखी गई है। मैं हमारे सशस्त्र बलों के शौर्य को नमन करता हूं।'

भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान की किसी भी दुस्साहस का जवाब देने को पूरी तरह तैयार: सैन्य अधिकारी

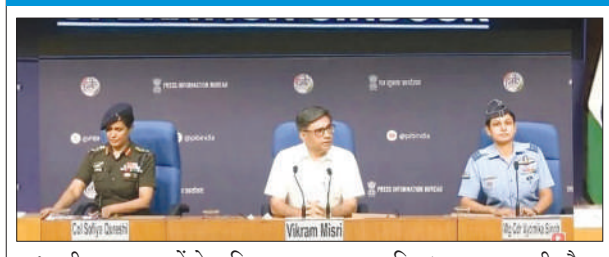

भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में लगभग 25 मिनट के अभियान में नौ आतंकवादी ठिकानों को विश्वसनीय खुफिया जानकारी और सीमापार आतंकवादी गतिविधियों में उनकी भूमिका का पता लगने के आधार पर नष्ट कर दिया। यह जानकारी सैन्य अधिकारियों ने बुधवार को दी। विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत यह हमला मंगलवार देर रात 1:05 बजे से 1:30 बजे तक किया गया और इसे पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए किया गया। एक कुशल हेलीकॉप्टर पायलट सिंह ने कहा, ''भारत ने अपनी प्रतिक्रिया में काफी संयम दिखाया है। हालांकि, भारतीय सशस्त्र बल स्थिति को बिगाड़ने वाले किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।''

26/11 के गुनहगार हेडली–कसाब का गर्भगृह भी ध्वस्त

खून की हर बूंद का बदला लेंगे : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद : भारत द्वारा आतंकियों के अड्डों पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट साफ नजर आ रही है। पड़ोसी मुल्क के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश को संबोधित करते हुए तीखा बयान दिया और भारत को कड़े परिणाम भुगतने की गीदड़भभकी दी। शहबाज शरीफ ने कहा, 'भारत ने जो गलती पिछली रात की, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।' पाक प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपने देश की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत को कुछ ही घंटों में जवाब देकर पीछे खदेड़ दिया।

पाकिस्तान, भारत के साथ तनाव 'खत्म' करने के लिए तैयार है: पाकिस्तानी रक्षा मंत्री

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को कहा कि अगर नयी दिल्ली नरम रुख अपनाता है तो पाकिस्तान, भारत के साथ तनाव 'खत्म' करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का यह बयान आया है। 'ब्लूमबर्ग टेलीविजन' ने आसिफ के हवाले से खबर में बताया कि पाकिस्तान केवल तभी जवाब देगा जब उस पर हमला होगा।

सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई

नयी दिल्ली : सरकार ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर सशस्त्र बलों द्वारा किए गए हमले के बारे में जानकारी देने के लिए बृहस्पतिवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने प्रस्तावित बैठक के बारे में 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, सरकार ने आठ मई, 2025 को पूर्वाह्न 11 बजे नयी दिल्ली में संसद पुस्तकालय भवन, संसद परिसर में सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है।

जयशंकर ने चार देशों के विदेश मंत्रियों से की बात, समर्थन और एकजुटता के लिए जताया आभार

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को जापान, जर्मनी, फ्रांस और स्पेन के अपने समकक्षों से बात की और पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचे पर भारत की कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया के साथ फोन पर बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा कि सीमा पार आतंकवादी ढांचे के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चर्चा हुई। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने फ्रांस के विदेश मंत्री जीन–नोएल बैरोट और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर उनकी एकजुटता और समर्थन की सराहना की गई। स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अलबरेस के साथ फोन पर हुई अपनी वार्ता के बारे में जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारत की दृढ़ एवं संतुलित प्रतिक्रिया पर चर्चा की गई।''

भारत में 300 से अधिक उड़ानें रद्द

25 हवाई अड्डे अस्थायी रूप से बंद

नयी दिल्ली/मुंबई : भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 300 से अधिक उड़ाने रद्द कर दी गई हैं और श्रीनगर समेत कम से कम 25 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एअर और कुछ विदेशी एयरलाइन ने विभिन्न हवाई अड्डों के लिए अपनी सेवाएं रद्द कर दी हैं। सूत्रों ने बताया कि देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 25 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इनमें श्रीनगर, लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं। यहां एक सूत्र के अनुसार, एयरलाइन द्वारा विभिन्न हवाई अड्डों से आने–जाने वाली 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इंडिगो ने कहा कि उसने हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण 10 मई की सुबह तक अमृतसर और श्रीनगर सहित विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों से 165 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया समूह – एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस – की लगभग 140 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

'जय हिंद, जय इंडिया', 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बोलीं ममता

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'जय हिंद! जय इंडिया!' मुख्यमंत्री का यह संदेश आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बाद आया। इस पोस्ट को राष्ट्र की सुरक्षा में लगे बलों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा से सटे गांवों पर की गोलीबारी, 15 लोगों की मौत

जम्मू/श्रीनगर : पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी की, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह गोलाबारी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के तुरंत बाद हुई। अधिकारियों ने बताया कि सभी नागरिकों की मौत गोलाबारी से सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिले में हुई है। उन्होंने बताया कि 42 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान की अंधाधुंध गोलाबारी से सीमावर्ती निवासियों में दहशत फैल गई और उन्हें भूमिगत बंकरों में शरण लेने या अपने गांवों के भीतर या बाहर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने बताया कि पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास बालाकोट, मेंढर, मनकोट, कृष्णा घाटी, गुलपुर, केरनी और यहां तक कि पुंछ जिला मुख्यालय से भी गोलाबारी की खबर है, जिसके परिणामस्वरूप दर्जनों आवासीय मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में रोबोटिक क्रांति!

Dr Santosh Kumar

कोलकाता स्थित बेले व्यू क्लिनिक में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के निदेशक, प्रसिद्ध जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. संतोष कुमार के पास 17 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने अब तक 35 हजार से अधिक सफल सर्जरी की हैं। वह **संतोष कुमार** हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर के संस्थापक भी हैं, जो जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन का एक समर्पित समूह है, जो हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में नवीनता और सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. कुमार का मानना है कि एक संगठन की ताकत उसकी टीम में होती है। उनकी टीम में कई विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन, चिकित्सक, सहायक, तकनीशियन और फिजियोथेरेपिस्ट शामिल हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य व्यक्तिगत कौशल, दक्षता, व्यापक अनुभव और विश्वास को स्वास्थ्य सेवा के फ्रंटलाइन में एकीकृत करना है।

साल 2011 में, **डॉ. कुमार** ने कंप्यूटर–समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए 'ऑर्थोपायलट' उपकरण का उपयोग किया था। पिछले वर्ष, उन्होंने इस प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए रोबोटिक आर्म का भी समावेश किया, जिससे सर्जरी में और अधिक सटीकता प्राप्त हो रही है। हिप और घुटने के प्रतिस्थापन में बायोमेकानिक्स, जैसे एक सस्पेंशन ब्रिज की यांत्रिकी, का महत्व है और यह बेहतर तरीके से नेविगेशन और रोबोटिक आर्म द्वारा हासिल किया जाता है।

डॉ. संतोष कुमार यह भी मानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे आधुनिक उपकरण अब सर्जन के हाथों में हैं, जो सर्जरी को और भी सटीक और प्रभावी बनाते हैं। डॉ. कुमार का उद्देश्य घुटना और हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के साथ–साथ मरीजों को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान करना है। उनके नेतृत्व में, मोमेंटम ऑर्थोकेयर और संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन ने सर्जरी में एक नया मानक स्थापित किया है।

डॉ. कुमार का कहना है कि सही तरीके से किया गया जॉइंट रिप्लेसमेंट 25 वर्षों से अधिक तक चल सकता है और अगर आवश्यक हो, तो इसे पुनः किया जा सकता है, जिसे 'रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट' कहा जाता है। डॉ. कुमार और उनकी टीम कोलकाता में नियमित रूप से इन रिवीजन प्रक्रियाओं का संचालन करते हैं।

नवीनतम तकनीक

डॉ. संतोष कुमार ने घुटने और हिप रिप्लेसमेंट में नए विकास के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल बेयरिंग रोटेटिंग प्लेटफॉर्म घुटने के रिप्लेसमेंट की बात की, जो खासतौर पर पैरों को क्रॉस करके बैठने के लिए डिजाइन किए गए हैं। इसके अलावा, कम संपर्क तनाव डिजाइन से इम्प्लांट के जीवनकाल में वृद्धि होती है। काइनेमेटिक एलाइनमेंट का उपयोग करके मेडियल पिवट घुटने ने घुटने के कृत्रिम जोड़ को जितना संभव हो प्राकृतिक घुटने के करीब लाने में मदद की है। **डॉ. संतोष कुमार** का कहना है कि पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित बनाना उनका प्रमुख उद्देश्य है, जिसे उच्च सटीकता वाली नर्व ब्लॉक्स और मल्टीमोडल एनाल्जेसिया तकनीकों द्वारा प्राप्त किया जाता है।

–स्टिचलेस सर्जरी का नया युग

डॉ. कुमार बताते हैं कि आजकल वे स्टिचलेस सर्जरी करते हैं, जिससे मरीज को सर्जरी के कुछ ही दिनों बाद स्नान करने की अनुमति मिलती है और कोई भी स्टिच हटाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे लगभग कोई निशान भी नहीं रहता।

–जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए सुलभ और किफायती हब

डॉ. संतोष कुमार का कहना है कि संतोष कुमार हिप और नी फाउंडेशन और मोमेंटम ऑर्थोकेयर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पूर्व भारत में जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए एक किफायती और स्थानीय केंद्र बनाना था।

–फ्री वीडियो कंसल्टेशन और यात्रा खर्च की सुविधा

इसके अलावा, **डॉ. कुमार** अपने मरीजों और उनके साथ आने वाले रिश्तेदारों के लिए बिहार और झारखंड से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के यात्रा खर्च को भी वापस करते हैं और उन्हें मुफ्त वीडियो कंसल्टेशन की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

डॉ. संतोष कुमार और उनकी टीम का उद्देश्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके मरीजों को बेहतर और दर्दमुक्त जीवन प्रदान करना है।

For additional information, feel free to communicate with Dr. Santosh Kumar at Plot number 236, Lake Town, Block B, Kolkata 700089; email: sandr@gmail.com; WhatsApp or call: 6289962271 / 9831911584; or visit: Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata.

यूएन की चेतावनी को नजरअंदाज न करें

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाब भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए।

लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन-धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी बुरा क्यों न हो भौगोलिक रूप से हम उसे बदल नहीं सकते। बुराई में अच्छाई की तलाश से स्थिति सामान्य बनाये रखने की कोशिश की जानी चाहिए। युद्ध की आकांक्षा रखने वाले लोगों को भी सोचना चाहिए कि कहीं न कहीं अंत में युद्ध की कीमत आम आदमी को ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से चुकानी पड़ती है।

'आपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। 'आपरेशन सिंदूर' में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।

'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की

सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

यदि भारत ने पाकिस्तान और वहां पल-पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं। अब तक हमने सदैव क्षमा करो और भूल जाओ को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिस्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है, उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिस्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिस्तान बड़े-बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फिलहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय मिल गया है। पाकिस्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है।

पाकिस्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है, उसने मर्यादा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेकशून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को परास्त करना जरूरी हो गया था, उसको परास्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही रास्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेस्तनाबूद करना है। अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन पाकिस्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रस्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इस्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है। लेकिन आतंकवाद के शमन का रास्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वस्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं, उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है।

दरअसल, पाकिस्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को अंजाम दिया है। उनकी आतंकी योजनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ी, ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निर्दोषों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये। भारत ने यह कर दिखाया है। तमाम आतंकी अड्डे को मटियामेट किया गया, वैसे तमाम अड्डे पाकिस्तानी सेना के संरक्षण और समर्थन से ही चलते रहे हैं। अभी तक पाकिस्तान ऐसे अड्डों को खत्म करने का दिखावा करने के साथ यह बहाना भी बनाता रहा है कि हम तो खुद ही आतंक के शिकार हैं। यह झूठ न जाने कितनी बार बेनकाब हो चुका है, किंतु पाकिस्तान बेशर्मी से बाज नहीं आता। सफल हवाई हमले को अंजाम देने के बाद भारत दुनिया को यह संदेश देने में भी कामयाब रहा कि उसने पाकिस्तान को निशाना बनाने के बजाय उसके यहां कायम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। वायुसेना ने अपनी पराक्रम क्षमता और साहस का जो परिचय दिया, वह पाकिस्तान के साथ विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। वह यह संदेश इसीलिए दे सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पाकिस्तान के मनोबल को तोड़कर ही आतंकवाद को परास्त किया जा सकेगा। अब पाकिस्तान को यह भय भी सताएगा कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ कोई कदम उठाया गया तो उसे कहीं अधिक करारा जवाब मिलेगा। उस जबाव का अर्थ होगा पाकिस्तान के सम्मुख संकटों के पहाड़ खडे होना, वहां की अर्थ-व्यवस्था ध्वस्त होना, जनजीवन का परेशान होना, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ना। भारतीय सेना को अब और भी ज्यादा मुस्तैद-सतर्क रहना होगा और बेहतर रणनीति के साथ तैयारी भी मजबूत रखनी होगी, ताकि पाकिस्तान की तरफ से अगर कोई जवाबी कार्रवाई होती है, तो उसका हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके।

राज्यों की खबरें

आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के बाद देश भर में जश्न... भारत माता की जय, पाकिस्तान मुर्दाबाद के लगे नारे

प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक में सशस्त्र बलों की तारीफ की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर लक्षित हमले करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाए जाने के कुछ घंटे बाद बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों का कहना है कि जैसे ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में कैबिनेट को जानकारी दी, पूरे मंत्रिमंडल ने मेजें थपथपाकर इस कार्रवाई और प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना की। समझा जाता है कि मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगी।

पाकिस्तान ने तनाव बढ़ाया तो भारत 'दृढ़ता से जवाब देने' के लिए तैयार: एनएसए डोभाल

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार को विभिन्न देशों के अपने समकक्षों से कहा कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो वह 'दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई' करने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डोभाल ने अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब और जापान में अपने समकक्षों को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे के खिलाफ भारत के मिसाइल हमलों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि डोभाल ने रूस और फ्रांस से भी संपर्क किया। एक अधिकारी ने बताया, एनएसए ने अपने समकक्षों को भारत की कार्रवाई और हमले के तरीके के बारे

में जानकारी दी, जो कि सटीक, गैर-उकसावे वाला और संयमित था। उन्होंने (डोभाल ने) इस बात पर जोर दिया कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा फैसला करता है, तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कश्मीर के 10 जिलों में नियंत्रण कक्ष स्थापित, कई स्कूल-कॉलेज बंद, सीमावर्ती इलाके खाली

जम्मू : पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों से बुधवार को जम्मू और कश्मीर संभाग के कई जिलों में शिक्षण संस्थान बंद रहे। परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं। खासकर बॉर्डर से सटे जिलों में। वहीं श्रीनगर में अधिकारियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारत द्वारा किए गए मिसाइल हमलों के मद्देनजर घटनाक्रम पर नजर रखने के लिए पूरे कश्मीर में केंद्रीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए हैं। स्थानीय जिला मजिस्ट्रेट ने आदेश में कहा, मौजूदा स्थिति को देखते हुए, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), श्रीनगर की समग्र निगरानी में जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (डीईओसी), श्रीनगर के उपायुक्त कार्यालय में एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। कश्मीर के 10 जिलों में इसी तरह के नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी के बाद भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे हीरानगर सेक्टर में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कई लोग सुरक्षित स्थानों की ओर चले गए हैं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को लोगों ने अपने रिश्तेदारों के यहां शरण दिलाई है।

प्रधानमंत्री मोदी की यूरोप की तीन देशों की यात्रा रद्द

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूरोप की तीन देशों की यात्रा को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर रद्द कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मोदी का 13 से 17 मई तक क्रोएशिया, नॉर्वे और नीदरलैंड की यात्रा का कार्यक्रम था। प्रधानमंत्री को नॉर्वे में नॉर्डिक सम्मेलन में भाग लेना था। सूत्रों ने कहा कि यात्रा को अब रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित देशों को इस निर्णय से अवगत करा दिया गया है।

अमित शाह ने पाकिस्तान, नेपाल की सीमा से लगते मुख्यमंत्रियों, डीजीपी, मुख्य सचिवों की बैठक बुलाई

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पाकिस्तान और नेपाल की सीमा से लगे राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) की एक आपात बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए हमलों के मद्देनजर यह बैठक बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए होने वाली इस बैठक में

जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों के अलावा लद्दाख के उपराज्यपाल शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री ने सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के प्रमुखों को छुट्टी पर गए अपने कर्मियों को वापस बुलाने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, शाह ने देश में आंतरिक सुरक्षा स्थिति की भी समीक्षा की और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को सतर्क रहने तथा कड़ी निगरानी रखने को कहा।

आज का पंचांग

कोलकाता : 8 मई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, वैशाख शुक्लपक्ष एकादशी, 12:31 तक, नक्षत्र : उत्तर फाल्गुनी, 21:03 तक, योग : हरषाना, 25:52 तक, सूर्योदय: 5:00, सूर्यास्त: 18:06, चन्द्रोदय : 14:35, चन्द्रास्त: 02:17, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : कन्या, राहू काल : 13:10 से 14:47

राशिफल

मेष : आज आप काम को लेकर काफी व्यस्त रह सकते हैं। लेकिन आपका आज स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। पैसे उधार देने से बचें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है।

वृष : आज आप व्यस्त रहेंगे। योजनाओं में काफी हद तक आप सफल होंगे। लोगों से दिल की बात शेयर करने से बचें। पैसों को लेकर प्रबंधन जरूरी है।

मिथुन : आज आप अपनी कामयाबी का जश्न मना सकते हैं। अपनी खुशी को दूसरों के साथ शेयर कर सकते हैं। लेकिन लापरवाही से बचें। जीवनसाथी आपका काफी साथ देगा।

कर्क : आज अपने व्यक्तित्व पर आप ध्यान दें। किसी कारणवश आपको आज आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इससे बचने का रास्ता निकालें।

सिंह : आपका स्वभाव लोगों को काफी पसंद आएगा। साथ ही खुशी के पल लाएगा। वित्तीय मामलों में हाथ थोड़ा सा कमजोर हो सकता है लेकिन शाम के समय स्थिति आपके अनुकूल होगी।

कन्या : आज आपकी काफी एक्टिव रहेंगे। जिसकी वजह से आप मनपसंद कार्य कर पाएंगे। यात्रा पर काफी पैसे खर्च होने की संभावना है। जीवनसाथी के साथ आपका मनोबल काफी बढ़ेगा।

तुला : काफी लंबे समय बाद आपको स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। अगर आप काफी समय से परेशान हैं तो अब आपका तनाव दूर होगा। पैसों के मामले में सावधान रहने की जरूरत है।

वृश्चिक : अपने अनुभव आप फैसला ले सकते हैं। भावनाओं को काबू में रखें। ऋण चुकाने से आपको छुटकारा मिल सकता है। जिसकी वजह से घर पर खुशहाली आने की संभावना है।

धनु : गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। वित्तीय लाभ में बढ़ोत्तरी की संभावना है। दोस्त आपके आज कोई खुशखबरी दे सकते हैं। अपनी कमजोरियों ध्यान देंगे।

मकर : किसी घटना को लेकर आपका मन हल्का सा अशांत हो सकता है। योग करने पर आपको ध्यान देना है। शारीरिक और मानसिक ऊर्जा मिलेगी। परिवार में खुशियां आने की संभावना है।

कुम्भ : आज का दिन खुशी लेकर आ सकता है। किसी की बात बुरी लग सकती है, इसलिए आप आज ज्यादा किसी से बात करने से बचें। आर्थिक रूप से आपको लाभ मिलने की संभावना है।

मीन : दूसरों की गलतियां न निकालें। अपने ऊपर कार्य करें। वित्तीय लाभ हो सकता है। समझदारी से काम लें। परिवार की भलाई के लिए प्रयास कर सकते हैं।

वर्ग पहेली नं. 3085

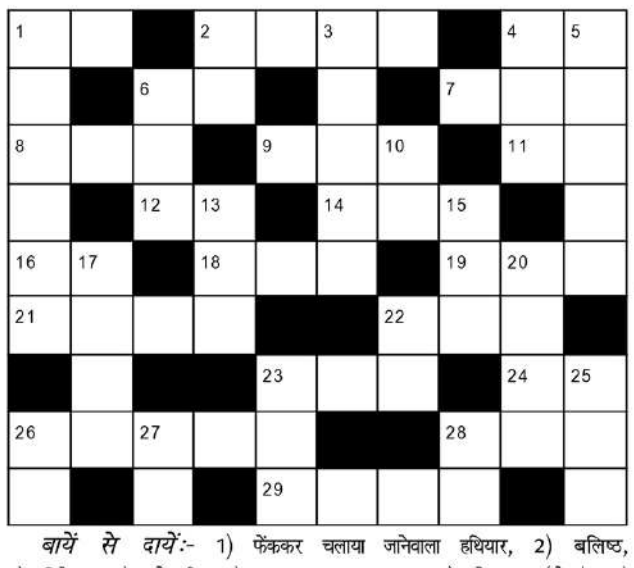

बायें से दायें:- 1) फेंककर चलाया जानेवाला हथियार, 2) बलिष्ठ, 4) विशेष, 6) मौलवी, 7) दला हुआ अनाज, 8) रोपना *(पौधा)*, 9) पागल, 11) आलेपित, 12) भूखापन, 14) रात, 16) अफ़वाह, 18) मृत्यु, 19) फुलवारी, 21) टाँगना, 22) सजधज, 23) बहती धारा, 24) बयार, 26) व्यर्थ, 28) दूध जमाने हेतु छोड़ी गई खट्टी दही, 29) स्वस्थ.

ऊपर से नीचे:- 1) आसपास, 2) गेंद मारने का चपटा डंडा; *बैट,* 3) पर्यावरण, 4) शुद्ध, 5) होशियारी, 6) लाभ, 10) शर्म, 13) मन्नत, 15) नदी, 17) हराना; गिराना, 20) अंगलेप; *औइंटमैंट,* 22) जानवरों का राजा, 23) जाहिर, 25) बंदर, 26) दुःख, आश्चर्य, आकुलता आदि प्रकट करनेवाला उद्गार, 27) टेढ़ा; तिरछा, 28) प्राण.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

ब		आ	धा		नि	प	टा	रा	
र		न	र	पि	शा	च		धा	क
क	फ़	न		छ		प	द		च
त		फ़ा	ज़ि	ल		न	ह	ला	ना
	ती	न		गा	ल		श		र
म	स	न	द		ब	द	त	र	
सा	रा		ला		रा	स्त		था	न
		टा	ल	ना		क	क्षा		ट
वि	शा	ल		ज़	च्चा		र	खा	ना

सुडोकू-पहेली-3042

		8			2			7
4		5	3					2
				8		3		
						9		
				1			3	
	2	6	7					
	8	2						
					5	1		
		7		4	9		6	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3041 का उत्तर

3	5	8	2	9	7	6	1	4
6	2	4	3	8	1	7	9	5
9	1	7	5	4	6	3	8	2
1	4	9	6	3	8	2	5	7
8	6	2	4	7	5	9	3	1
5	7	3	1	2	9	4	6	8
4	9	5	7	1	3	8	2	6
2	8	6	9	5	4	1	7	3
7	3	1	8	6	2	5	4	9

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम सब एक साथ हैं : ममता

❑ **मुख्यमंत्री ने कहा.. 'यह विभेद का समय नहीं है, देश के लिए हम सभी एकजुट'**
❑ **आज शाम ममता नवान्न में एग्रो मार्केटिंग के साथ करेगी बैठक**

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की बुधवार को सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में हम सब एक साथ हैं। एयर स्ट्राइक की कार्रवाई के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ की गई बैठक में हिस्सा लेने के बाद ममता ने शाम में राज्य सचिवालय नवान्न में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी देश के लिए एकजुट हैं। अभी घबराने की कोई बात नहीं है। ममता ने कहा कि पहलगाम घटना के विरुद्ध और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम सभी कंधे से कंधे मिलाकर चल रहे हैं। यह विभेद का समय न हैं। देश के लिए सभी एकजुट हैं। इसी मानसिकता के साथ काम करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, ममता ने यह बताने से इन्कार किया कि गृह मंत्री के साथ बैठक में क्या चर्चा हुई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं इस बारे में बात नहीं करूंगी कि बैठक में हमने क्या चर्चा की। कभी- कभी सीक्रेट्स मेंटेन करना चाहिए और अभी इसका समय है। ममता ने कहा कि इसके अलावा, मौजूदा परिस्थिति के मद्देनजर हमने सभी केंद्रीय सरकारी विभागों और राज्य सरकार के विभागों के साथ बैठक की है। इसमें समन्वय पर जोर दिया गया है। लगातार मॉनिटरिंग भी चलेगी। घबराने की कोई बात नहीं है। पैनिक न हों। यदि अभी कहीं सायरन बजे तो घबराएं नहीं। कोई भी जानकारी मिलने पर मैं बताऊंगी। ममता ने कहा कि अभी सभी छुट्टियां भी रद्द की गई है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों को सभी तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

❑ **'ये समय सच्ची पत्रकारिता का है, न कि सनसनी फैलाने का'**

ममता ने मीडिया संस्थानों को भी जिम्मेदारी की याद दिलाते हुए कहा कि ये समय सच्ची पत्रकारिता का है, न कि टीआरपी के लिए सनसनी फैलाने का। ममता ने कहा कि न्यूज चैनल हो या फेसबुक और यूट्यूब के माध्यम से कोई भी अगर इस समय फेक न्यूज फैलाता है तो उसके खिलाफ एक्शन होगा। यह गलत न्यूज देने का समय नहीं है, ये सही खबर दिखाने का समय है। यह भी अनुरोध किया कि कोई भी स्पेकुलेशन या संभावना वाली खबर ना दिखाएं। उन्होंने सभी से यह भी अनुरोध किया कि कोई भी चैनल अभी डिबेट (बहस) में किसी को ना बिठाएं, इससे गलत जानकारी फैल सकती है। ममता ने कहा कि पत्रकारों को भी यदि कोई घटना आदि के बारे में अभी कोई सूचनाएं मिलती है तो वे हमारे साथ इसकी जानकारी साझा करें। इसके लिए जल्द ही राज्य सरकार की तरफ से एक नंबर दी जाएगी, जहां रिपोर्टर्स कोई भी खबर भेज सकते हैं, जिसकी सत्यता की जांच होगी। ममता ने यह भी उल्लेख किया कि हुए स्वतंत्रता संग्राम से लेकर बंगाल हमेशा से देश के लिए जान दिया है। इसके अलावा, ममता ने जानकारी दी कि गुरुवार की शाम 5.30 बजे से नवान्न में एग्रो मार्केटिंग की बड़ी बैठक होगी। इसमें आवश्यक वस्तुओं के दामों पर नियंत्रण आदि की समीक्षा की जाएगी।

❑ **मुख्यमंत्री ने निजी स्कूलों से नौ मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने का किया आग्रह**

इस दिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों से अपील की कि वे भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर नौ मई से ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित कर दें। ममता ने संवाददाताओं से कहा कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से मेरी अपील है कि वे वर्तमान स्थिति को देखते हुए निर्धारित तिथि से सात दिन पहले यानी रवींद्र जयंती (9 मई) के दिन से ही (ग्रीष्मकालीन) अवकाश घोषित कर दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई आधिकारिक निर्देश जारी नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, "यह उन सभी (निजी) स्कूलों के प्रबंधन से अनुरोध है, जिन्होंने अभी तक अवकाश घोषित नहीं किया है।"

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.- ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(सूचना) / 668 दिनांक: 06.05. 2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सं. : ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3444; कार्य का नाम:** फेयरली प्लेस कोलकाता में पूर्वी रेलवे मुख्यालय भवन में विद्युत वितरण प्रणाली के संवर्धन/उन्नयन के संबंध में विद्युत (साधारण) कार्य; **निविदा मूल्य:** रु. 4,28,17,944.00; **बोली सुरक्षा (बयाना राशि जमा):** रु. 3,64,100.00; **समापन अवधि:** 180 दिन; **समापन तिथि एवं समय:** 28.05.2025 को 15:00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण नोटिस में उल्लिखित समापन तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा समापन की तिथि में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा क्योंकि IREPS की वेबसाइट पर आवेदन निविदा की समापन तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं देता है। हालाँकि, ऑनलाइन निविदाएँ निविदा की समापन तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन पर खोली जाएँगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें।

(HWH-73/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

देश की सेना को धन्यवाद : अभिषेक

❑ **कहा.. 'लक्षणों के इलाज के बजाय सीधे बीमारी से लड़ा जाए'**

कोलकाता, समाज्ञा : पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों के विरुद्ध भारत का सैन्य अभियान की सफलता पर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भारतीय सेना को धन्यवाद देते हुए बिना नाम लिए पाकिस्तान पर निशाना साधा। उनके अनुसार, अब समय आ गया है कि लक्षणों का इलाज करना बंद कर दिया जाए और सीधे बीमारी से लड़ा जाए। अभिषेक ने आम लोगों को नुकसान पहुंचाए बिना आतंकवादी अड्डे को नष्ट करने के लिए सेना को धन्यबाद दिया। इस दिन, उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि हमें विभाजित करने के बाहरी प्रयासों के सामने भारत की एकता की फिर से स्थापित करने वाले इस शक्तिशाली प्रहार के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद। मैं सटीकता, संयम और अनुशासन के साथ हमला करने में उनके अद्वितीय साहस और असाधारण वीरता के लिए हमारे सशस्त्र बलों को सलाम करता हूं। उन्होंने भारत की सीमाओं को पार किए बिना या निर्दोष लोगों की जान को खतरे में डाले बिना आतंकवादी शिविर को बेअसर कर दिया है। उनके अनुसार, केवल आतंकवादियों को नष्ट करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें पैदा करने बालों को भी खत्म करने का समय आ गया है। अभिषेक लिखते हैं, एक बात तो साफ है अगर पागल कुत्ते को पालने बाला अभी भी जिंदा है और उसे बढ़ाने की साजिश कर रहा है तो उसे मारने से खतरा नहीं टलेगा। असली समस्या पागल कुत्ते नहीं हैं, बल्कि वे दुष्ट संचालक हैं जो उन्हें पालते हैं, प्रशिक्षित करते हैं और आतंकित करते हैं। स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दुनिया को खड़ा होना चाहिए। इस आतंकवाद के स्रोत, इसके पालन पोषण, प्रशिक्षण और प्रसार को नष्ट किया जाना चाहिए। अब समय आ गया है कि लक्षणों का इलाज करना बंद किया जाए और बीमारी से सीधे लड़ा जाए।

'मोदी को शुक्रिया, मिला न्याय', ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बितान-समीर की पत्नियों ने कहा

❑ **मृतक के परिजनों ने कहा... 'पहलगांव जैसी घटना दोबारा न हो'**

कोलकाता, समाज्ञा : पाकिस्तान और पीओके में भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत आतंकियों के ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई को लेकर देशभर में जहां खुशी की लहर है, वहीं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों की भावनाएं कुछ अलग हैं। किसी की आंखों में सुकून है, तो किसी को अब भी न्याय अधूरा लगता है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कोलकाता के बेहाला निवासी समीर गुहा की पत्नी शबरी ने कहा कि मैं ऑपरेशन सिन्दूर का समर्थन करती हूं लेकिन जब तक पाकिस्तान पूरी तरह आतंकवाद से मुक्त नहीं हो जाता, तब तक न्याय अधूरा रहेगा। बता दें कि समीर केंद्र सरकार में जूनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर थे और परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके परिवार पर फ्लैट की ईएमआई और बेटी शुभांगी की पढ़ाई का खर्च भी है। शबरी ने केंद्र सरकार से समीर की नौकरी उन्हें देने की मांग भी दोहराई। उनका कहना है कि जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। हम यही चाहते हैं कि ऐसी घटनाएं दोबारा ना हों। कोलकाता के वैष्णवघाटा निवासी मृतक बितान अधिकारी की पत्नी सोहिनी ऑपरेशन सिंदूर की खबर सुनकर रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि धन्यवाद मोदी जी। उन्हें करारा जवाब दिया।' उन्होंने कहा कि लेकिन आशा करते हैं कि ऐसा फिर कभी न हो। आतंकवादी किसी को किसी के बच्चों के सामने इस तरह से नहीं मारेंगे।

❑ **'भारतीय सेना ने लिया बदला', ऑपरेशन सिंदूर से शहीद झंटू शेख का परिवार खुश**

वहीं, इस हमले में बलिदान हुए सेना के सूबेदार झंटु अली शेख के परिवार की प्रतिक्रिया भावुक लेकिन संतोषजनक रही। ऑपरेशन सिन्दूर की खबर सुनते ही उनकी पत्नी शहनाज परवीन की आंखें भर आईं। टीवी पर विस्फोट के दृश्य देखते हुए उन्होंने कहा कि आख़िरकार जवाब मिला है। झंटु के भाई रफीकुल शेख, जो खुद भी सेना में सूबेदार हैं, बोले कि मेरे भाई की शहादत बेकार नहीं गई, यह उसकी जीत है। हम प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के आभारी हैं जिन्होंने देशवासियों की भावनाओं का मान रखा।

❑ **आईबी अधिकारी मनीष रंजन की तेरहवीं पर आतंकवादियों के मारे जाने से परिवार खुश**

पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा गोली के शिकार हुए रोहतास जिले के कारगहर थाना क्षेत्र के अरुहीं निवासी आईबी अधिकारी मनीष रंजन का मंगलवार को उनके पुरुलिया स्थित आवास पर 13वीं का कार्यक्रम चल रहा था। उसी रात भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर ताबड़तोड़ मिसाइल दागकर नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इसमें काफी संख्या में आतंकियों के मारे जाने की खबर पाकर मनीष रंजन का परिवार काफी सुकून महसूस कर रहा है। प्रखंड के अरूहीं निवासी मनीष रंजन के चाचा अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सीमा के जवानों ने अपने कहे के अनुरूप मनीष रंजन का बदला ले लिया है। मनीष रंजन के परिवार सहित अन्य लोगों ने आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने की मांग की है, ताकि पहलगाम जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। परिवार ने कहा कि भारत ने बदला लेकर 26 परिवारों के अलावा पूरे देश को सुकून दिया है। सेना ने जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है, उससे भारत का सिर ऊंचा हुआ है।

सेना ने चुन-चुनकर आतंकी ठिकानों को तबाह किया : अधीर चौधरी

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी ने भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) और पाकिस्तान के अंदर घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे देशवासी आक्रोशित थे और वे ऐसे हमले की उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि सिर्फ 'पीओके' ही नहीं, उससे भी आगे बढ़कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमला हुआ है और यह होना चाहिए था। हर देशवासी को इसकी उम्मीद थी। पूरे देशवासी आक्रोशित थे। सभी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग कर रहे थे। पहलगाम की बैसरन घाटी में जिस तरह से हमारे पर्यटकों की कायराना हत्या की गई थी, जो क्रूरता बरती गई थी, उसके बाद पूरे देशवासी चाह रहे थे कि पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए। वहीं, अब खबर मिली कि मंगलवार देर रात हमारे बहादुर सेना के जांबाजों ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। चुन-चुन कर सभी को खत्म कर दिया है। इस ऑपरेशन के बाद हमारे देशवासी उल्लासित हैं।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं. सी ओ एम/ई-नीलामी/एचडब्ल्यूएच/2025 **दिनांक : 05.05.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, हावड़ा मंडल, डीआरएम बिल्डिंग, 4वीं मंजिल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल में सिंगुर स्टेशन पर पार्किंग स्थल के संचालन के लिए 03 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध देने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। अधिक जानकारी और ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **सूचीपत्र सं.: पार्क-एचडब्ल्यूएच-मई-1आर; नीलामी प्रारंभ तिथि/समय:** 21.05.2025 14:00 बजे। **लॉट सं.:** पार्किंग-एच डब्ल्यू एच-एसआईयू-टीडब्लू-161-25-1 (पार्किंग - दो पहिया वाहन); **स्टेशन का नाम:** सिंगुर।

(HWH-71/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **क्रमांक एवं ई-निविदा सूचना सं.; कार्य का संक्षिप्त विवरण साथ में उसका स्थान; विज्ञापित मूल्य; बयाना राशिः (1) एम_आरएसपी_आरओएच_25, दिनांक 06.05.2025;** पीबी मद सं.: 469/2024-25 के अंतर्गत वैगन डिपो/नीमपुरा में 1500 वैगनों का आरओएच; रु. 2,96,77,540.88; रु. 2,98,400. **(2) एम_पीएलजी_क्यूडब्ल्यू_पीएफ8, दिनांक 06.05.2025;** खड़गपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 8 पर टर्नकी आधार पर त्वरित पानी भरने की प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना एवं चालू करना; रु. 88,46,713.24; रु. 1,76,900. **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** क्रमांक 1 के लिए 26.05.2025 को अपराह्न 4.00 बजे तथा क्रमांक 2 के लिए 05.06.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण एवं ब्यौराः** दोनों के लिए **www.ireps.gov.in बोली शुरू होने की तारीखः** क्रमांक 1 के लिए 12.05.2025 तथा क्रमांक 2 के लिए 22.05.2025. **(PR-127)**

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

सं. सीओएम/डीईवी/ई-नीलामी/पीयू/एचडब्ल्यूएच/2022 **दिनांक: 06.05.2025**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, हावड़ा मंडल, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा, 4वीं मंजिल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल में 3 (तीन) वर्षों के लिए मनकुंडु स्टेशन एवं अंबिका कालना स्टेशनों पर साधारण पे एंड यूज शौचालय के संचालन एवं रखरखाव के लिए नया अनुबंध देने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। ई-नीलामी का विषय रेलवे बोर्ड के फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर नंबर 11 ऑफ 2022 और कमर्शियल सर्कुलर नंबर 14 ऑफ 2022 के अनुसार संचालित है। अधिक जानकारी और ई-नीलामी में भागीदारी के लिए कृपया ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं। **नीलामी सूची सं.: पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-02-आर25; नीलामी प्रारंभ तिथि/समय:** 14.05.2025 13:30 बजे। **लॉट सं./श्रेणी एवं स्टेशन** क्रमानुसार : **(1)** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एमयूयू-टीओआई-26-25-1; मानकुंडु (एमयूयू). **(2)** पीएनयू-एचडब्ल्यूएच-एबीकेए-तोई-25-25-1; अंबिका कालना (एबीकेए)।

(HWH-72/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

राज्य में 31 जगहों पर हुआ मॉक ड्रिल का आयोजन, बजा सायरन

❑ **कोलकाता, हावड़ा, हल्दिया, दुर्गापुर, आसनसोल, सिलीगुड़ी समेत विभिन्न शहरों में हुआ मॉक ड्रिल**

कोलकाता, समाज्ञा : पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के बाद तनातनी के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर बुधवार को बंगाल में भी सभी 23 जिलों के 31 शहरों में व्यापक मॉक ड्रिल (सुरक्षा अभ्यास) का आयोजन किया गया। राज्य के आपदा प्रबंधन और सिविल डिफेंस विभाग के तत्वावधान में आयोजित नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल के दौरान सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन की भी आवाज सुनाई दी जो लोगों के लिए चर्चा का विषय रहा। इस दिन, कोलकाता में ला मार्टिनियर ब्यॉयज व गर्ल्स स्कूल, लोरेटो स्कूल, सियालदह डीआरएम कार्यालय स्पोट्र्स ग्राउंड, बांसद्रोणी स्थित आपदा प्रबंधन विभाग के कार्यालय में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ, नागरिक सुरक्षा कर्मी और होमगार्ड के अलावा नेहरू युवा केंद्र संगठन के सदस्यों और स्कूल व कॉलेज के छात्रों व अन्य ने भाग लिया। हावड़ा स्टेशन के निकट गोलमोहर रेलवे मैदान में पूर्व रेलवे द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पूर्व रेलवे के आपदा प्रतिक्रिया विभाग के कर्मचारियों ने इसमें हिस्सा लिया।

मॉक ड्रिल के दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के मद्देनजर युद्ध या अचानक हवाई हमले जैसी स्थिति में नागरिकों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर कैसे पहुंचाया जाए, घायलों को अस्पताल कैसे पहुंचाया जाए या आग को तुरंत कैसे बुझाया जाए, इन सबके बारे में आपदा प्रबंधन कर्मचारियों ने अभ्यास के जरिए प्रदर्शित किया। इनमें हवाई हमले की चेतावनी, सायरन प्रणाली को सक्रिय करना, नागरिकों की सुरक्षा में आम लोगों, विशेषकर छात्रों की भूमिका, अचानक ब्लैकआउट की स्थिति में क्या करना है तथा आपातकालीन स्थितियों में तेजी से बचाव कार्य कैसे संचालित करना है, आदि प्रदर्शित किया गया। यह भी दिखाया गया कि खतरे की स्थिति में सायरन बजाकर स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कैसे सचेत किया जाए। इस ड्रिल का उद्देश्य यह सिखाना है कि युद्ध या किसी प्रकार के हमले की स्थिति में क्या करना है और क्या नहीं। सभी को धैर्य रखना है, किसी भी अफवाह पर विश्वास नहीं करना है, भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचना है आदि के बारे में आपदा कर्मियों ने लोगों को सचेत किया।

राज्य में कोलकाता व हावड़ा के अलावा कूचबिहार, दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, मालदा, सिलीगुड़ी, दुर्गापुर, हल्दिया, हाशिमारा, खड़गपुर, बर्नपुर-आसनसोल, फरक्का-खेजुरियाहाट, चित्तरंजन, बालुरघाट, अलीपुरद्वार, रायगंज, इस्लामपुर, दिनहाटा, मेखलीगंज, माथाभांगा, कलिंपोंग, जलढाका, कर्सियांग, कोलाघाट, बद्र्धमान, बीरभूम, पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, हुगली व मुर्शिदाबाद में मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। यह भी कहा गया है कि बुधवार से शुरू होकर सात दिनों तक पूरे राज्य में मॉक ड्रिल का आयोजिन किया जाएगा।

महानगर के स्कूलों में हुआ मॉक ड्रिल, छात्रों को मिले सुरक्षा के गुर

ला मार्टिनियर स्कूल

डीपीएस रूबी

कोलकाता : पाकिस्तान में आतंकी बस्तियों पर भारत के ऑपरेशन सिंदूर एयर स्ट्राइक के बाद घंटे के बाद अभ्यास, देशों के बीच बढ़ने के बीच एक एटीटी के मामले में उभरने वाली स्थितियों के लिए स्कूल के छात्रों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से महानगर के कई स्कूलों में सुरक्षा संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पी बी एकेडमिक स्कूल, ला मार्टिनियरर व रूबी पार्क डीपीसी सहित कई स्कूलों ने छात्रों, शिक्षकों व अन्य स्कूल के स्टॉफ को सुरक्षा संबंधी जानकारियां दी गई।

दो मिंटो पार्क के लिए ला मार्टिनियर के छात्र, आपातकालीन ड्रिल के लिए एक व्यवस्थित तरीके से कतारबद्ध थे। प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में, ला मार्टिनियर के छात्रों ने सीखा कि आपातकालीन स्थिति में धुएं और गैस से कैसे निपटना है। छात्रों को एक हमले के मामले में एक डेस्क के नीचे कवर लेना भी सिखाया गया था। ला मार्टिनियर के छात्र मॉक ड्रिल के दौरान जमीन और निर्णय शिला-लेखों पर इकट्ठे हुए। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के मद्देनजर महानगर के कई स्कूलों में यह मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।उल्लेखनीय है कि भारतीय मिसाइलों ने बुधवार को कश्मीर में आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान में नौ आतंकवादी बस्तियों को निशाना बनाया। दिल्ली पब्लिक स्कूल में छात्रों को सायरन की आवाज़ के रूप में कुर्सियों के नीचे छिपा दिया गया। छात्रों की आपातकालीन पूर्ववर्तीता को बढ़ाने के लिए समन्वित आतंकवादी हमलों और निकासी प्रक्रियाओं जैसे ड्रिल का नकली परिदृश्य। दिल्ली पब्लिक स्कूल में एक कक्षा में, छात्रों ने शत्रुतापूर्ण स्थिति के लिए तैयार किया जाने वाला प्रशिक्षण लिया।

पूर्वोत्तर रेलवे

निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:- **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण:-** 04-2025-कालोनी, **कार्य का नाम-** (अ)गोरखपुर-एस.एस.ई / इलेक्ट्रिकल / दक्षिण के क्षेत्राधिकार में विभिन्न रेलवे कार्यालयों की रिवायरिंग" तथा (ब) "गोरखपुर-प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त, कार्यालय में वर्क स्टेशन का प्रावधान एवं विशेष मरम्मत कार्य" से संबंधित विद्युतीय कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 93,21,870.64, बयाने की राशि: ₹ 1,86,400.00, ई-निविदा फार्म का मूल्य-शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय/अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से-6 माह।

ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 26.05.2025 समय 15:00 बजे तक। इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर / कालोनी
मुजाधि / विद्युत-23 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-ओपन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **[ए] क्रम सं.: [1]। निविदा संख्या: एमएफजी_009_टॉकिंग_2025। कार्य का नाम:** तकनीकी विनिर्देश संख्या एमएफजी./009/ टॉकिंग/2025 के अनुसार, उद्योग 4.0 के अनुरूप वायरलेस एरर प्रूफ टॉकिंग सिस्टम का डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और 3 साल की पोस्ट वारंटी एएमसी के साथ। **निविदा मूल्य (रुपये):** ₹ 1,59,48,434.00। **निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये):** शून्य। **बयाना जमा राशि (रुपये):** ₹ 2,29,800.00। **पूर्ण होने की अवधि:** 60 दिन। **अंतिम तिथि:** 20-05-2025, 15:00 बजे। **[बी] क्रम सं.: [1]। निविदा संख्या: एमएफजी_009_साइज-वेरिफिकेशन। कार्य का नाम:** तकनीकी विनिर्देश संख्या एमएफजी./009/साइज वेरिफिकेशन/2025 के अनुसार, कम्प्यूटरीकृत एक्सल जर्नल और सीट, व्हील आईडी और बियरिंग आईडी-ओडी साइज वेरिफिकेशन और इंटीग्रेटेड डेटा रिकॉर्डिंग सिस्टम को आवश्यक स्पेयर पार्ट्स के साथ डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग, प्रूफ आउट और 3 साल की पोस्ट वारंटी सीएएमसी के साथ। **निविदा मूल्य (रुपये):** ₹ 2,39,43,174.00। **निविदा दस्तावेज की लागत (रुपये):** शून्य। **बयाना जमा राशि (रुपये):** ₹2,69,700.00। **पूर्ण होने की अवधि:** 60 दिन। **अंतिम तिथि:** 16-05-2025, 15:00 बजे। **नोट (ए और बी दोनों के लिए): (i)** पूरी जानकारी रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **(ii) निविदा आमंत्रित करने वाला प्राधिकरण:** उप मुख्य यांत्रिक अभियंता / प्लांट, सीएलडब्ल्यू, सीआरजे **(iii) संपर्क नंबर: 0341-2525566 (iv) ईमेल आईडी:** <dycmeplantclw@yahoo.com>

PR1/025 एडब्ल्यूएम/एमएफजी.-I/सीएलडब्ल्यू/सीआरजे

Like us on : www.facebook.com/clwrailways

हावड़ा-आजिमगंज कविगुरु एक्सप्रेस नियंत्रित की जाएगी

हावड़ा मंडल के तहत मोग्राम और गोसांईग्राम स्टेशनों के बीच अप और डाउन लाइन पर एक साथ **दिनांक 10/11.05.2025 (शनिवार/रविवार) की मध्यवर्ती रात को 3½ घंटे (23.30 बजे से 03.00 बजे तक) के लिए ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** के कारण, **13027 हावड़ा-आजिमगंज कविगुरु एक्सप्रेस** उक्त रात को मार्ग में **15 मिनट** के लिए नियंत्रित की जाएगी। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलंब से चलने वाली ट्रेन और कोई भी नई शुरू की गई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, को ब्लॉक के दौरान मार्ग में सुविधानुसार नियंत्रित/मार्ग परिवर्तित किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/543, दिनांक: 06.05.2025, निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, पूर्वी रेलवे, एस एंड टी, आरएमएस बिल्डिंग, कैसर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है। **ई-निविदा सं. एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/06/25-26/आरआरएसके; कार्य का नाम और स्थान:** सियालदह मंडल में आयु सह स्थिति के आधार पर ऑपरेटिंग पैनल का प्रतिस्थापन; **निविदा मूल्य:** रु.88,15,185.24 ; **निविदा दस्तावेज की लागत:** शून्य। **जमा की जाने वाली बयाना राशि/बोली सुरक्षा:** रु.1,76,300.00 ; **कार्य की समाप्ति अवधि:** 9 (नौ) महीने; **निविदा प्रस्तुत करने की आरंभ तिथि:** 16.05.2025; **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 30.05.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली खुलने की तिथि:** 30.05.2025 को 14.30 बजे। विस्तृत जानकारी उपलब्ध हो सकती है: **www.ireps.gov.in** **तकनीकी पात्रता मानदंड:-** निविदाकर्ता ने पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, जिसमें निविदा आमंत्रित की गई है, पिछले महीने के अंतिम दिन को समाप्त होने वाले कार्य की निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक को सफलतापूर्वक पूरा किया होगा या काफी हद तक पूरा किया होगा: (i) तीन समान कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए, या (ii) दो समान कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए, या (iii) एक समान कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% के बराबर राशि से कम नहीं होनी चाहिए। **वित्तीय पात्रता मानदंड:-** निविदाकर्ता के पास न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार वी/एन या 'वी' होना चाहिए, जो भी कम हो; जहां वी= निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ों रुपये में, एन= कार्य पूरा होने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना ऑडिटेड बैलेंस शीट के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल संविदात्मक भुगतानों" के औसत के रूप में की जाएगी। हालांकि, यदि पिछले वर्ष की बैलेंस शीट अभी तैयार/ऑडिट की जानी है, तो औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष की ऑडिटेड बैलेंस शीट पर विचार किया जाएगा। निविदाकर्ता जीसीसी 2022 के अनुलग्नक-वीआईबी (तत्काल निविदा दस्तावेज के फॉर्म-6) के अनुसार अपेक्षित जानकारी जमा करेंगे, साथ ही चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा विधिवत प्रमाणित ऑडिटेड बैलेंस शीट की प्रतियां/ऑडिटेड बैलेंस शीट द्वारा समर्थित चार्टर्ड अकाउंटेंट से प्रमाण पत्र भी जमा करेंगे। **जमा किये जाने वाले अन्य दस्तावेज़:** जैसा कि निविदा दस्तावेज में उल्लेख किया गया है। **समान प्रकृति की कार्य:-** डेटा लॉगर या आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कोई भी कार्य या ईआई या आरआरआई या पीआई या आईबीएस या आईबीएच या एलसी गेट इंटरलॉकिंग या यार्ड संशोधन या यूएफएसबीआई या ट्रैक सर्किट (एएफटीसी या डीसी टीसी) या एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी या एमएसडीएसी या एचए-एसएसडीएसी) या स्वचालित सिग्नलिंग से संबंधित कोई भी सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य को तत्काल निविदा कार्य के लिए समान प्रकृति के कार्य के रूप में माना जाएगा। **टिप्पणी:** निविदाकर्ता को निविदा प्रस्ताव के साथ-साथ निविदा दस्तावेज में उल्लिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। निविदाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए क्रेडेंशियल के समर्थन में दस्तावेजों/प्रमाणपत्रों की प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर निविदाकर्ता या निविदा देने वाली फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्वयं-सत्यापित/डिजिटल हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तारीख (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होनी चाहिए।

(SDAH-44/2025-26)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उच्च माध्यमिक में लड़कों ने मारी बाजी

❑ 90.03 फीसदी रहा पास प्रतिशत, लड़कियों का 88.12 फीसदी
❑ विज्ञान के प्रति बढ़ी रुचि
❑ अगले बार से सेमेस्टर आधारित होगी परीक्षा

लिंग, समुदाय और जिलों में प्रदर्शन

श्रेणी	2025	2024
कुल उपस्थित	4,73,919	7,55,324
कुल उत्तीर्ण प्रतिशत	90.79%	90.00%
लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत	93.00%	92.32%
लड़कियां पास प्रतिशत	88.88%	88.18%

कोलकाता : पश्चिम बंगाल उच्चतर माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बुधवार को उच्च माध्यमिक का रिजल्ट का आधिकारिक रूप से घोषित किया। इस वर्ष उच्च माध्यमिक में छात्रों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 90.79% रहा, जो पिछले वर्ष की 90% की तुलना में मामूली वृद्धि है। इस वर्ष छात्राओं की तुलना में छात्रों ने बाजी मारी। छात्रों का पास प्रतिशत 92.03 रहा जबकि छात्राओं का 88.12 फीसदी रहा। बर्दवान का रुपायन पाल बना बंगाल टॉपर।

इस वर्ष उच्च माध्यमिक की परीक्षाएं 3 मार्च से 18 मार्च, 2025 तक आयोजित की गईं। परीक्षाएं छह अलग-अलग माध्यमों में आयोजित की गईं। परीक्षा के लिए कुल 4,82,948 छात्रों ने नामांकन कराया था, जिसमें से 4,73,919 छात्र अंततः परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों में से 92.03% छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि 88.12% छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। सामाजिक श्रेणियों और शैक्षणिक धाराओं में प्रदर्शन ने मजबूत परिणाम दर्शाए। अनुसूचित जाति (एससी) के विद्यार्थियों की उत्तीर्णता दर 89% रही, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के विद्यार्थियों की उत्तीर्णता दर 83.05% तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों की उत्तीर्णता दर 89.93% रही। साथ ही इस वर्ष परिषद ने पुष्टि की है कि यह वार्षिक परीक्षा प्रणाली का अंतिम वर्ष है, जो 1978 से चली आ रही प्रथा है। 2026 से, एचएस परीक्षाएं सेमेस्टर-आधारित प्रारूप को अपनाएंगी।

❑ विज्ञान के छात्रों ने दिखाया दम

स्ट्रीम-वार प्रदर्शन के संदर्भ में, विज्ञान स्ट्रीम 99.46% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर रही, इसके बाद वाणिज्य 97.52% तथा कला 90.7% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रही। विज्ञान और वाणिज्य दोनों वर्गों में पुरुष अभ्यर्थियों ने छात्राओं से बेहतर प्रदर्शन किया।

परिणाम सबसे पहले दोपहर करीब 12:45 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषित किए गए और दोपहर 2:00 बजे से ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए। छात्र अपना परिणाम आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ एसएमएस, मोबाइल ऐप और डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म के माध्यम से देखा।

❑ जिलावार उत्तीर्ण प्रतिशत

पूर्वी मिदनापुर 95.74% उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहा, इसके बाद उत्तर 24 परगना 93.53% के साथ दूसरे तथा कोलकाता 93.43% के साथ तीसरे स्थान पर रहा। उल्लेखनीय है कि कोलकाता के चार छात्र शीर्ष 10 रैंक धारकों में शामिल हैं।

जिला	उत्तीर्ण प्रतिशत
पूर्वी मिदनापुर	95.74%
उत्तर 24 परगना	93.53%
कोलकाता	93.43%

❑ शीर्ष स्कोरर और मेरिट सूची विवरण

टॉप 5 उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की सूची

❑ **प्रथम, 497** रूपायन पाल, बर्दवान सीएमएस हाई स्कूल, पूर्व बर्दवान खख,

❑ **द्वितीय 496** तुषार देबनाथ, बॉक्सिरहाट हाई स्कूल कूच बिहार

❑ **तीसरा, 495** राजर्षि अधिकारी, आरामबाग हाई स्कूल, हुगली

❑ **चौथा, 494** सृजीता घोषला, सोनामुखी गर्ल्स हाई स्कूल, बांकुडा

❑ **पांचवां, 493** बीरेश घोष, रामकृष्ण मिशन विद्या भवन, पश्चिम मेदिनीपुर

प्रांतिक गंगोपाध्याय, आरामबाग हाई स्कूल, हुगली

तन्मय प्रति, सोनारपुर विद्यापीठ हाई स्कूल, दक्षिण 24 परगना

रिद्धित पाल, कटवा काशीराम दास संस्थान, पूर्व बर्दवान

कुंतल चौधरी, भटार एमपी हाई स्कूल, पूर्वी बर्दवान

ओइशिकी दास, मनिन्द्रनाथ हाई स्कूल, कूच बिहार

कुल 72 अभ्यर्थियों ने शीर्ष 10 मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है, जो राज्य भर में अर्जित शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। सूची में शीर्ष स्थान पर बर्दवान सीएमएस हाई स्कूल के रूपायन पाल हैं, जिन्होंने 500 में से 497 अंक प्राप्त कर 99.4% अंक प्राप्त किए हैं।

❑ सेमेस्टर प्रणाली और क्यूआर-कोड वाली मार्कशीट

2025 बैच वार्षिक परीक्षा प्रारूप के तहत छात्रों का अंतिम समूह है। अगले शैक्षणिक सत्र से, परिषद एक सेमेस्टर प्रणाली लागू करेगा, जिसमें दो सत्र होंगे - एक सितंबर में और दूसरा मार्च में। सेमेस्टर 1 और 2 में एमसीक्यू-आधारित पेपर होंगे, जबकि शेष दो में वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न होंगे।

पहली बार परिषद ने परिणाम प्रमाणीकरण को बढ़ाने के लिए मार्कशीट पर क्यूआर कोड और प्रतिशत अंक शुरू किए हैं। अंकतालिकाओं और उत्तीर्णता प्रमाण-पत्रों की हार्ड कॉपी 8 मई, 2025 को प्रातः 10 बजे से संबंधित विद्यालयों में वितरित की जाएंगी। परिषद ने पुष्टि की है कि 2025 की परीक्षाओं के दौरान प्रश्नपत्र लीक की कोई घटना नहीं हुई। स्कूलों ने बोर्ड के मानदंडों के अनुसार जनवरी और फरवरी 2025 के दौरान व्यावहारिक परीक्षाएं आयोजित कीं। ग्रेडिंग प्रणाली के तहत छात्रों को प्रत्येक विषय में 100 में से न्यूनतम 30 अंक प्राप्त करने होते हैं - सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों घटकों को मिलाकर - तभी वे उत्तीर्ण घोषित

किए जाते हैं।

❑ पुनर्मूल्यांकन और कम्पार्टमेंट विकल्प उपलब्ध

अपने परिणाम से असंतुष्ट छात्र पोस्ट पब्लिकेशन स्क्रूटनी (पीपीएस) या पोस्ट पब्लिकेशन रिव्यू (पीप-ीआर) के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए, तथा पुनर्मूल्यांकन परिणाम पिछले वर्ष के कार्यक्रम के अनुरूप जून 2025 तक घोषित किए जाने की उम्मीद है।इसके अतिरिक्त, जो छात्र एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए हैं, वे कम्पार्टमेंट परीक्षा का विकल्प चुन सकते हैं, जो अगस्त या सितंबर 2025 के आसपास आयोजित होने की संभावना है। इन परीक्षाओं के परिणाम सितंबर 2025 तक आने की संभावना है। कम्पार्टमेंट परीक्षाओं के लिए आवेदन अपेक्षित शुल्क के साथ स्कूलों के माध्यम से भेजे जाने चाहिए।

❑ अगले साल सेमेस्टर प्रणाली में होगी उच्च माध्यमिक परीक्षा, बोर्ड ने घोषित की तिथि

पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष चिरंजीब भट्टाचार्य ने घोषणा की है कि अगले साल की उच्च माध्यमिक परीक्षा सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर आयोजित की जाएगी। तीसरे सेमेस्टर की परीक्षा 4 सितंबर से शुरू होगी और 22 सितंबर तक चलेगी। वहीं चौथे सेमेस्टर की परीक्षा 12 फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगी। 12 फरवरी को माध्यमिक स्तर की वैकल्पिक इलेक्टिव परीक्षा भी आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। छात्रों से अनुरोध किया गया है कि वे समय पर तैयारी शुरू करें और परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार योजना बनाकर पढ़ाई करें।

उच्च माध्यमिक परिणाम : पहले स्थान पर रूपायन, डॉक्टर बनने का सपना

❑ दूसरे स्थान पर तुषार, सब्जी विक्रेता पिता की आँखों में खुशी के आँसू

कोलकाता : पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में राज्य में संभावित टॉपर बने हैं बर्धमान के रूपायन पाल। बर्धमान सीएमएस हाई स्कूल के छात्र रूपायन ने कुल 497 अंक प्राप्त किए हैं। परिणाम घोषित होते ही उनके घर में खुशी का माहौल छा गया। रूपायन बचपन से ही पढ़ाई में बेहद मेधावी रहा है। वह समयबद्ध रूप से पढ़ाई करता था और परीक्षा के अच्छे परिणाम को लेकर आश्वस्त था। उसका सपना है कि वह भविष्य में डॉक्टर बने। वह विज्ञान विषय के साथ आगे की पढ़ाई करेगा और अन्य छात्रों को भी नियमित पढ़ाई की सलाह देता है। वहीं संभावित दूसरे स्थान पर रहे कोचबिहार के बक्सीहाट हाई स्कूल के छात्र तुषार देबनाथ। उन्होंने 496 अंक हासिल किए हैं। तुषार के पिता तपन देबनाथ एक सब्ज़ी विक्रेता हैं और उनके बेटे की इस सफलता पर भावुक हो उठे। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी तुषार की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। तुषार ने टीवी पर अपना परिणाम देखा और जब उसे पता चला कि वह राज्य में दूसरे स्थान पर है, तो वह बेहद खुश हुआ। तुषार पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी रुचि रखता है, खासकर क्रिकेट। वह दिन में सात से आठ घंटे पढ़ाई करता था। स्कूल के शिक्षकों ने भी उसकी पढ़ाई में काफी सहयोग किया। तुषार आगे चलकर विज्ञान के क्षेत्र में पढ़ाई करना चाहता है और उसका सपना है कि वह एक वैज्ञानिक बने। उसकी सफलता पर उसके स्कूल के शिक्षक, परिवार और पूरा बक्सीहाट गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

श्री जैन विद्यालय, हावड़ा का उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा स्थित श्री जैन विद्यालय (बालिका एवं बालक विभाग) ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में शत-प्रतिशत सफलता के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दोनों विभागों के अधिकांश छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को सिद्ध किया।

❑ श्री जैन विद्यालय हावड़ा (बालिका विभाग)

हावड़ा श्री जैन विद्यालय (बालिका) विभाग का उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 का परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट एवं शत - प्रतिशत रहा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मौसमी घोषाल ने जानकारी दी कि इस वर्ष कुल 341 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुईं, जिनमें से 300 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं, जबकि शेष छात्राएं द्वितीय श्रेणी में पास हुईं। छात्राओं के इस शानदार प्रदर्शन ने विद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा को आगे बढ़ाया है।

कॉमर्स संकाय में खुशी कुमारी साव ने 462 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कविता राय ने 457 अंकों के साथ द्वितीय और कृति बजाज ने 453 अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। अन्य प्रमुख छात्राओं में खुशी सिंह, शाना हैदर और सिमरन सिंह ने समान रूप से 452 अंक प्राप्त किए, जबकि साक्षी चौरसिया और प्रियंका डागा को 451 अंक मिले। ऋचा सिंह, आस्था कुमारी और बिपाशा बोथरा ने 450 अंक अर्जित कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। विद्यालय के सचिव ललित कंकरिया ने सभी छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं प्रधानाध्यापिका को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

❑ श्री जैन विद्यालय, हावड़ा (बालक विभाग)

हावड़ा स्थित श्री जैन विद्यालय (बालक विभाग) के छात्रों ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। विद्यालय की प्राचार्या इंदु चौधरी ने जानकारी दी कि इस वर्ष कुल 180 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 156 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जबकि शेष छात्र द्वितीय श्रेणी से पास हुए।

विद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्र कृष्णकांत शर्मा ने 466 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, कॉमर्स संकाय के छात्र शिवम चौधरी ने 464 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान और शुभम साह ने 462 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान हासिल किया। अन्य उल्लेखनीय छात्रों में मोहम्मद बासित ने 459, सुजीत यादव ने 457, पियूष गुप्ता और विवेक कुमार शाह ने समान रूप से 454 तथा अंशु ठाकुर ने 450 अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में योगदान दिया। इस उत्कृष्ट परिणाम पर विद्यालय के सचिव ललित कांकरिया ने सभी छात्रों, शिक्षकों एवं प्रधानाचार्या को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनकी मेहनत की सराहना की।

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता के छात्रों ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन किया

कोलकाता, समाज्ञा : श्री जैन विद्यालय, कोलकाता ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता को पुनः सिद्ध किया है। कुल 420 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी ने सफलता पूर्वक परीक्षा दी। परिणाम विश्लेषण के अनुसार 9 छात्रों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त कर 'ओ' ग्रेड प्राप्त किया, 56 छात्रों ने ए+ (80% - 90%), 125 छात्रों ने ए (70% - 80%), 136 छात्रों ने बी+ (60% - 70%) और 94 छात्रों ने बी (50% - 60%) ग्रेड अर्जित किया। कॉमर्स संकाय में समीर कुमार गुप्ता ने 469/500 (93.8%) अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। अमित कुमार ने 460/500 (92%) अंकों के साथ द्वितीय तथा प्रियांशु कुमार ने 458/500 (91.6%) अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विज्ञान संकाय में हर्ष भगत ने 452/500 (90.4%) अंकों के साथ प्रथम स्थान हासिल किया। शिवम कुमार राय 451/500 (90.2%) अंकों के साथ द्वितीय और मोहम्मद सादिक ने 443/500 (88.6%) अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के अध्यक्ष बिनोद कांकरिया, प्रधानाचार्य एस.के. पांडे और सचिव मनोज बोठरा ने सभी विद्यार्थियों को इस सराहनीय प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

❑ कॉमर्स में टॉप करने वाले समीर कुमार गुप्ता का लक्ष्य है चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता के होनहार छात्र समीर कुमार गुप्ता ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में कॉमर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 469/500 (93.8%) अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विषयवार प्रदर्शन में उन्होंने इकोनॉमिक्स में 100 में 100, अकाउंट्स में 97, अंग्रेजी में 94, बिजनेस स्टडीज में 90 और हिंदी में 88 अंक हासिल किए। समीर की पसंदीदा विषय अकाउंट्स है और वे चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) बनने की दिशा में अग्रसर हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वे पियानो बजाने में निपुण हैं और शतरंज व क्रिकेट खेलने का शौक रखते हैं।

❑ हर्ष भगत की मेहनत और गणित में रुचि ने दिलाया साइंस विभाग में शीर्ष स्थान

श्री जैन विद्यालय, कोलकाता के छात्र हर्ष भगत ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में 452/500 (90.42%) अंक प्राप्त कर साइंस विभाग में प्रथम स्थान प्राप्त किया

है। उनकी विषयवार उपलब्धियों में गणित में 96, अंग्रेजी में 91, हिंदी में 90, फिजिक्स में 88 और केमिस्ट्री में 87 अंक शामिल हैं। हर्ष की पसंदीदा विषय गणित है, और वे आगे चलकर रिसर्च के क्षेत्र में काम करना चाहते हैं। अपनी पढ़ाई के बारे में बताते हुए हर्ष कहते हैं, मैं रोजाना 5-6 घंटे नियमित रूप से पढ़ाई करता था। मॉक टेस्ट और पुराने वर्षों के प्रश्न पत्र हल करना मेरी तैयारी का अहम हिस्सा था, जिससे मुझे परीक्षा में आत्मविश्वास मिला। अपनी सफलता का श्रेय हर्ष अपने माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों को देते हैं।

पश्चिम बंगाल बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में सभी स्ट्रीम ने किया श्रेष्ठ प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल बोर्ड की 12वीं कक्षा की उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। इस वर्ष भी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और कई विद्यालयों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। परिणामों ने छात्रों के लिए खुशी का माहौल पैदा कर दिया और उनके कठिन परिश्रम को मान्यता दी। विभिन्न स्ट्रीम में छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त किए, जिनमें आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया गया।

❑ श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी विद्यालय ने उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में 99 प्रतिशत सफलता दर के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कुल 178 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया और शानदार परिणामों के साथ विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कॉमर्स में छात्रा प्राची पाठक ने 93% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि अफिफा सलीम ने 91.40% के साथ द्वितीय, सादिया भाटी ने 91.20% के साथ तृतीय और अर्फिन परवेज़ ने 91% के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। आर्ट्स की करिना राय ने 80.4% अंकों के साथ सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। विषयवार श्रेष्ठ प्रदर्शन में प्राची पाठक, अर्फिन परवेज और करिना राय ने हिंदी में 90 अंक, अफिफा सलीम और सुधीर ठाकुर ने अंग्रेजी में 96 अंक, प्राची पाठक ने अकाउंट्स में 98, अर्थशास्त्र में 91, और अर्फिन परवेज ने कॉस्ट एंड टैक्सेशन में 98 अंक प्राप्त कर उत्कृष्टता दिखाई। विद्यालय समिति के अध्यक्ष प्रकाश चंद नाहर ने प्रधानाध्यापिका, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सभी विद्यार्थियों को इस शानदार सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

❑ डानकुनी मॉडर्न भारती इंस्टीट्यूट

पश्चिम बंगाल बोर्ड की 12वीं कक्षा की उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के परिणाम घोषित होने के साथ ही डानकुनी मॉडर्न भारती इंस्टीट्यूट (हाई स्कूल) ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता को सिद्ध किया। लगातार कई वर्षों की परंपरा को बरकरार रखते हुए इस वर्ष भी विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे छात्रों और अभिभावकों में खुशी की लहर दौड़ गई। आर्ट्स में ऋषिका ठाकुर ने 424 अंक और रिमझिम रजक ने 330 अंक प्राप्त कर सराहनीय प्रदर्शन किया। साइंस स्ट्रीम में मुस्कान हेला ने 418 अंक और आर्यन ठाकुर ने 350 अंक अर्जित किए। वहीं, कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों में अस्मित महतो ने 337 अंक और ओम शिव प्रसाद ने 317 अंक प्राप्त कर उत्कृष्टता का परिचय दिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका भावना राय ने इस सफलता पर छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदर्शन कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी निरंतर परिश्रम करते रहने की प्रेरणा दी, ताकि वे भविष्य में और बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सकें।

ज्ञान भारती विद्यापीठ और ज्ञान भारती बालिका विद्यालय

ज्ञान भारती विद्यापीठ और ज्ञान भारती बालिका विद्यालय ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी एजुकेशन कक्षा 12 की परीक्षा में अपनी अकादमिक उत्कृष्टता की परंपरा को बनाए रखा है। ज्ञान भारती विद्यापीठ में वाणिज्य शाखा में कुल 90 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से 89 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। वाणिज्य शाखा में सर्वोच्च अंक 94.6% (473 अंक) रहे। विज्ञान शाखा में 35 में से 34 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जिनका सर्वोच्च अंक 80.6% (403 अंक) था। कला शाखा में 5 में से 5 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जिनमें सबसे उच्च अंक 81.8% (409 अंक) थे। विद्यालय में 98.4% लड़कों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जो विद्यालय की शैक्षिक शक्ति को दर्शाता है। ज्ञान भारती बालिका विद्यालय में वाणिज्य शाखा में 69 छात्रों में से 56 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जिनका सर्वोच्च अंक 94.2% (471 अंक) था। विज्ञान में 32 में से 30 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की, जिनका सर्वोच्च अंक 89.4% (447 अंक) था। कला शाखा में 10 में से 8 छात्रों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की, जिनका सर्वोच्च अंक 74.8% (374 अंक) था। अकादमिक निदेशक स्मि. गोपा बर्मन ने कहा, ये परिणाम हमारे छात्रों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम हैं, साथ ही हमारे शिक्षकों और माता-पिता के निरंतर समर्थन का भी परिणाम हैं। ज्ञान भारती में, हम अकादमिक उत्कृष्टता और समग्र विकास का माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने प्रत्येक छात्र पर गर्व महसूस करते हैं और हमें विश्वास है कि वे भविष्य में और भी चमकेंगे।

डीए मामले की सुनवाई फिर टली, अब सुनवाई 14 मई को सुप्रीम कोर्ट में

कोलकाता : डीए (मंहगाई भत्ता) मामले की सुनवाई एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट में टल गई है। अब अगली सुनवाई 14 मई को होगी। इससे पहले इस मामले की अंतिम सुनवाई पिछले साल 1 दिसंबर को हुई थी। बुधवार को राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें एक अन्य महत्वपूर्ण मामले में पेश होना है, इसलिए सुनवाई की तिथि आगे बढ़ाई जाए। इस पर अधिवक्ता बिकाश रंजन भट्टाचार्य ने आपत्ति जताई, लेकिन अंततः कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई 14 मई तक के लिए स्थगित कर दी। राज्य सरकार के कर्मचारियों ने केंद्र सरकार की तर्ज पर 31% बढ़े हुए डीए की मांग को लेकर आंदोलन छेड़ा है। इसको लेकर उन्होंने कोलकाता हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि राज्य सरकार को केंद्रीय दर के अनुसार डीए देना होगा। राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसकी सुनवाई अब मई में होगी।

ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के बाद केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार देश के सशस्त्र बलों की कुशलता की कामना के लिए कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की।

ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता के बाद विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय सेना की सफलता और कल्याण के लिए सेंट्रल एवेन्यू स्थित राम मंदिर में पूजा-अर्चना की।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कोलकाता में विधान भवन के सामने भारतीय सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता और धन्यवाद व्यक्त किया।

हाई कोर्ट ने अदालत की अवमानना याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

कोलकाता, समाज्ञा : एसएससी भर्ती घोटाले में 26 हजार नौकरियों की रद्दीकरण से जुड़ी अदालत की अवमानना याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति देबांशु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि इस मामले की अगली सुनवाई अब सुप्रीम कोर्ट में ही होगी। बता दें कि याचिकाकर्ताओं की ओर से आरोप लगाया गया था कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों के निर्देशों के बावजूद स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) और राज्य का शिक्षा विभाग उचित कदम नहीं उठा रहा है। इसी को आधार बनाकर अदालत की अवमानना का मामला दायर किया गया था। इस दिन, हालांकि, खंडपीठ ने यह भी टिप्पणी की कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले के हाई कोर्ट आदेश के कुछ हिस्सों को बदला है, कुछ को बरकरार रखा है और कुछ को खारिज कर दिया है।

ऐसे में यह देखना अब सर्वोच्च न्यायालय का कार्य होगा कि उसके निर्देशों का पालन हुआ या नहीं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले की सुनवाइयों में न्यायमूर्ति बसाक ने एसएससी को निर्देश दिया था कि अयोग्य और 'दागी' शिक्षकों की सूची ओएमआर शीट के साथ प्रकाशित की जाए और उनके वेतन की वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए। इसके बाद, राज्य सरकार ने नए कानूनी तर्क रखने की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था।

राज्य सरकार और एसएससी की ओर से शुरू से ही यह तर्क दिया गया था कि चूंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, इसलिए हाई कोर्ट में इसकी सुनवाई नहीं की जा सकती। दूसरी ओर, याचिकाकर्ताओं के वकील का कहना था कि अदालत के पास अपनी शक्तियों के तहत अवमानना की सुनवाई करने का अधिकार है अंततः कोर्ट ने यह कहते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया कि अब इस मामले की पूरी जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की है, और वहीं पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे फिलहाल राज्य सरकार और एसएससी को बड़ी राहत मिली है।

उच्च प्राथमिक स्कूलों में सुपरन्यूमैरेरी नियुक्तियों पर हाई कोर्ट की अंतरिम रोक

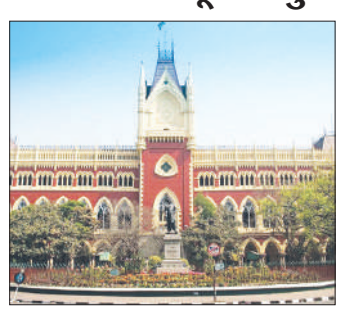

कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा राज्य संचालित स्कूलों के उच्च प्राथमिक वर्ग में सुपरन्यूमैरेरी (अतिरिक्त) पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की योजना पर अंतरिम रोक लगा दी है। ये नियुक्तियां शारीरिक शिक्षा और कार्य शिक्षा जैसे विषयों के लिए होनी थीं, जिनके लिए राज्य सरकार ने प्रतीक्षा सूची में शामिल उम्मीदवारों की नियुक्ति के उद्देश्य से अतिरिक्त पद सृजित किए थे। न्यायमूर्ति बिस्वजीत बसु की एकल पीठ ने बुधवार को लंबी सुनवाई के बाद यह अंतरिम आदेश पारित किया। बता दें कि यह मामला पहले से ही न्यायिक जांच के दायरे में था, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा स्कूलों में की गई कई नियुक्तियों पर पहले भी अदालत ने सवाल उठाए हैं। पिछले महीने, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें 25 हजार 753 शिक्षकीय और गैर-शिक्षकीय पदों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। ये नियुक्तियां पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग के माध्यम से की गई थीं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च प्राथमिक खंड में सुपरन्यूमेरेरी पदों के सृजन पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी। इसके बाद, राज्य सरकार ने इन अतिरिक्त पदों पर नियुक्ति की अनुमति के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। लेकिन अब कोर्ट ने इस प्रक्रिया पर 18 जून तक के लिए रोक लगा दी है, जब इस मामले की अगली सुनवाई होगी।

तृणमूल कांग्रेस-भाजपा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

कोलकाता, समाज्ञा

राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री व प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि इस हमले ने यह संदेश दिया है कि देश में आतंकवाद के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। मजूमदार ने 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आपका धन्यवाद! आपके निडर नेतृत्व में भारत चुप नहीं बैठता बल्कि हम पूरी ताकत के साथ जवाबी हमला करते हैं। हमारे बहादुर सशस्त्र बलों ने एक सटीक और शक्तिशाली अभियान में पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया है। मजूमदार ने कहा कि यह नया भारत है। हम उनके घरों में घुसकर आतंक का खात्मा करते हैं।

दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव कुणाल घोष ने भी पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया आगे बढ़ती रहे, टीम इंडिया जीतती रहे। पूरा देश जवानों के साथ है। बाकी बातें बाद में कही जाएंगी। जय हिंद। घोष ने यह भी कहा कि एक गौरवान्वित भारतीय के रूप में मेरा समर्थन भारतीय सेना के लिए है।

नलहाटी में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

बीरभूम जिला पुलिस ने झारखंड सीमा क्षेत्र में दो गोदामों में छापेमारी कर किया बरामद

बीरभूम : जिले के नलहाटी में बुधवार को भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। इस घटना से क्षेत्र में व्यापक उत्तेजना फैल गई। इतने सारे विस्फोटक क्यों जमा किये गये थे? इसकी तस्करी कहां की जानी थी? इस बात पर भी सवाल उठ रहे हैं कि पुलिस की जानकारी के बिना इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक कैसे जमा कर लिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दिन, दोपहर में गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बीरभूम जिला पुलिस की प्रवर्तन शाखा (ईबी) ने झारखंड सीमा पर स्थित पासिनाला इलाके में छापेमारी की। दो गोदामों की तलाशी के दौरान भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया गया। बताया गया है कि नलहाटी थाने से 20 किलोमीटर दूर मैडोना प्राइमरी स्कूल के सामने दो गोदामों से विस्फोटक बरामद किया गया है। बताया गया है कि पहले गोदाम की दीवार तोड़कर जिलेटिन, डेटोनेटर और अमोनियम नाइट्रेट बरामद किया गया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, वहां जिलेटिन के 26 पैकेट थे। प्रत्येक पैकेट में 200 विस्फोटक पाए गए। तीन डेटोनेटर पैकेट भी जब्त किये गये। प्रत्येक पैकेट में 1500 डेटोनेटर पाए गए। अमोनियम नाइट्रेट के 31 पैकेट जब्त किये गये। प्रत्येक पैकेट का वजन 50 किलो है। 200 मीटर दूर दूसरे गोदाम से जिलेटिन के 10 पैकेट, डेटोनेटर का एक पैकेट तथा अमोनियम नाइट्रेट के 27 पैकेट बरामद किए गए। ऐसा अनुमान है कि इन विस्फोटकों की तस्करी बीरभूम, झारखंड और मुर्शिदाबाद में की जाती थी। कथित तौर पर इस घटना से नलहाटी थाना क्षेत्र निवासी शाहे आलम उर्फबिकी नामक व्यक्ति का संबंध है। इस विक्रेता पर पहले भी विस्फोटक भंडारण का आरोप लगाया जा चुका है।

बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार पाकिस्तान के कब्जे में, पत्नी रजनी की टूटी उम्मीद : अब कोई आशा नहीं बची

हुगली : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। इसी गश्ती के दौरान पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के निवासी, बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साउ 'गलती से' पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश कर गए और तभी से लापता हैं। पिछले 14 दिनों से उनका कोई सुराग नहीं मिला है। आशंका है कि वह पाकिस्तान रेंजर्स के कब्ज़े में हैं।

पूर्णम की पत्नी रजनी, जो इस समय गर्भवती हैं, पति को वापस लाने के लिए बीएसएफ के मुख्यालय तक गई थीं। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि उनके पति को वापस लाया जाएगा। इस आशा के साथ वह घर लौटीं और पति की राह देखने लगीं। लेकिन हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिन्दूर' के बाद उनके परिवार की चिंता और भी बढ़ गई है। रजनी का कहना है, अब कोई उम्मीद नहीं दिख रही। युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। अब पाकिस्तान शायद उन्हें वापस न करे।

परिवार पर दुःख और चिंता का साया गहरा गया है। पूरे साउ परिवार में मायूसी छाई हुई है। बीएसएफ और केंद्र सरकार की ओर से अब क्या कदम उठाए जाएंगे, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर सीमा पार मानवाधिकार और कूटनीतिक प्रयासों की जटिलता को उजागर कर दिया है।

एसबीआई लाइफ ने 'हैक-एआई-थॉन' लॉन्च किया

कोलकाता : एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 'हैक-एआई-थॉन' के पहले संस्करण की शुरुआत की है। यह एक राष्ट्रीय स्तर की नवाचार पहल है, जो होनहार प्रतिभाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के माध्यम से जीवन बीमा के भविष्य को एक नई पहचान देने के लिए प्रेरित करती है। यह पहल भारत भर के टेक्नोलॉजी छात्रों को एक अनूठा मंच प्रदान करती है, जहाँ वे बीमा से जुड़ी व्यावसायिक चुनौतियों, जैसे- ग्राहक अनुभव में सुधार, उत्पाद की पहुँच बढ़ाने और धोखाधड़ी की रोकथाम जैसे क्षेत्रों में नए और अनूठे समाधान बनाने में सहयोग कर सकते हैं। एसबीआई लाइफ के ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर प्रमुख, रविंद्र शर्मा ने लॉन्च के अवसर पर कहा, जब विभिन्न विचारधाराओं वाले लोग पारंपरिक सीमाओं से बाहर आकर मिलते हैं, तभी नवाचार तेजी से आगे बढ़ता है और फलता-फूलता है।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति का शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति द्वारा कोलकाता के सरोज गुप्ता कैंसर एन्ड रिसर्च इंस्टीटूट, ठाकुरपुकुर में शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन हॉस्पिटल के सचिव अंजन गुप्ता (सुपुत्र सरोज गुप्ता), दानदाता पुरुषोत्तम बेरिया के द्वारा किया गया एवं समिति के प्रधान सचिव बिमल दीवान, उप-सचिव पवन बंसल एवं सुभाष सवालदवाला एवं मार्ग दर्शक राजकुमार बोथरा और साथ ही हॉस्पिटल के डॉ. गौतम भट्टाचार्जी (रेडिएशन ओनक्लोजिस्ट), डॉ. पार्था हालदर (मेडिकल सुपरिन्टेन्डेन्ट), डॉ. अभिमन्यु बिष्नु (क्लीनिकल ऑफिसर), के उपस्थिति में किया गया। इसमें समिति को अंजन गुप्ता का भरपूर सहयोग मिला। मशीन द्वारा संचालित शीतल जल प्याऊ का निर्माण पुरुषोत्तम बेरिया ने अपने पूर्वजों कमला देवी भगतराम बेरिया के स्मृति में अपने आर्थिक सहयोग से करवाया। दानदाता की ओर से पुरुषोत्तम बेरिया, प्रीतम बेरिया, प्रवेश बेरिया उपस्थित थे। इस प्याऊ से हॉस्पिटल के कर्मियों, रोगियों एवं उसके परिजनों को शीतल जल का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के कार्यकर्त्ता दीपक अग्रवाल (उद्योगपति एवं समाजसेवी), राजेश अग्रवाल, दिनेश खेमका, माणिक आदि की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

बंगाल के प्रवासी मजदूरों के उत्पीड़न पर मुख्य सचिव ने केंद्र और कई राज्यों को लिखा पत्र

❑ **राज्यों से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की**

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के प्रवासी श्रमिकों के साथ कथित उत्पीड़न पर कड़ी नाराजगी जाहिर करने के बाद अब उनके निर्देशानुसार राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत ने केंद्र और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजा है। मंगलवार को भेजे गए पत्र में केंद्र और संबंधित राज्यों में बंगाल के प्रवासी श्रमिकों के साथ उत्पीड़न को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। साथ ही, प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया गया है। ममता की नाराजगी के बाद मुख्य सचिव ने केंद्र और संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र भेजा है। नवान्न सूत्रों के अनुसार, पत्र में मुख्य सचिव ने राज्य की चिंताओं को स्पष्ट करते हुए लिखा है कि देश के संविधान के अनुसार कोई भी नागरिक किसी भी राज्य में काम करने जा सकता है। उन्होंने ने राज्यों से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

नदिया में दो बच्चों समेत 12 बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार, दलालों की तलाश जारी

कोलकाता, समाज्ञा : भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक बार फिर पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नदिया जिले के हांसखाली थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर 12 बांग्लादेशी घुसपैठियों को दो बच्चों सहित गिरफ्तार किया गया। ये सभी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में प्रवेश कर चुके थे और अब बांग्लादेश वापस लौटने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये घुसपैठिए 3-4 साल पहले अवैध तरीके से भारत में घुसे थे और पश्चिम भारत के विभिन्न इलाकों में जाकर बस गए थे। अब वे कथित भारतीय दलालों की मदद से पुनः बांग्लादेश लौटने की कोशिश कर रहे थे। गुप्त सूचना के आधार पर हांसखाली थाने की एक विशेष टीम ने सीमा क्षेत्र में छापेमारी कर सभी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। सभी को बुधवार को राणाघाट न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क में भारतीय दलालों की भूमिका भी सामने आई है, जिनके सहारे ये लोग न सिर्फ भारत में दाखिल हुए, बल्कि विभिन्न शहरों तक पहुंचे। इन दलालों की पहचान कर उन्हें भी जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास जारी है।

हार्पिक का नया चेहरा बने शाहरुख खान, शुरू की नई मुहिम 'हार्पिक है ना'

कोलकाता, समाज्ञा : भारत के प्रमुख टॉयलेट क्लीनर ब्रांड हार्पिक ने बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस नई साझेदारी के साथ हार्पिक ने हार्पिक है ना नामक एक प्रभावशाली मुहिम की शुरुआत की है, जो हर घर में बेहतर स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा देने का वादा करती है। हार्पिक की वैज्ञानिक सफाई विरासत और शाहरुख की लोकप्रियता मिलकर इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में मदद करेंगी। शाहरुख ने कहा, स्वच्छता की शुरुआत असरदार कार्यों से होती है, और हार्पिक के साथ जुड़ना उन्हें गर्व का अनुभव कराता है। एक नया टीवी विज्ञापन लॉन्च किया गया है, जिसमें हार्पिक की 10 गुना बेहतर सफाई और 5 मिनट में कीटाणु खत्म करने की क्षमता को दर्शाया गया है। यह साझेदारी भारतीय परिवारों में प्रभावी स्वच्छता समाधान अपनाने के लिए प्रेरणा देने का काम करेगी।

पोद्दार कोर्ट में इलेक्ट्रिक दुकान में लगी आग

कोलकाता, समाज्ञा : मध्य कोलकाता के पुलिस मुख्यालय लालबाजार के पास पोद्दार कोर्ट इलाके में बुधवार की दोपहर एक बिजली के उपकरण की दुकान में अगलगी में खाक हो गई। दमकल, स्थानीय व पुलिस सूत्रों के अनुसार, छह मंजिला इमारत के भूतल पर स्थित दुकान में दोपहर करीब 12.05 बजे लगी आग को बुझाने के लिए 8 दमकल गाड़ियों को लगाया गया। उन्होंने कहा कि जगह खाली करा ली गई है और कोई हताहत नहीं हुआ है। खबर के लिखे जाने तक दमकल के एक अधिकारी ने आग पर काबू की बात कही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह अचानक दुकान से काले धुएं का गुबार उठता देखा गया। बताया जा रहा है कि आग सबसे पहले दुकान में लगे एक एयर कंडीशनर में लगी और वहीं से पूरे परिसर में फैल गई। प्रारंभिक अनुमान है कि यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। स्थानीय लोगों ने शुरुआत में आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि जल्द ही दमकल विभाग को सूचना दी गई। सबसे पहले दमकल के चार इंजन घटनास्थल पर पहुंचे। फिलहाल, आग से किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है और न ही नुकसान के स्तर का अभी सही-सही अनुमान लगाया जा सका है।

हावड़ा मंडल की 100 वीं वर्षगांठ पर बंडेल में जागरूकता, स्वच्छता और वृक्षारोपण का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा मंडल के 100 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों की श्रृंखला के अंतर्गत बुधवार को बंडेल स्टेशन एवं इसके परिसंचारी क्षेत्रों में कई सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों का नेतृत्व मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रभात फेरी, स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण जैसे प्रेरणादायक कार्यक्रम संपन्न हुए। रेलवे कर्मचारियों, समर्पित स्वयंसेवकों और स्थानीय नागरिकों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति नारों और बैनरों से सजी प्रभात फेरी ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया और उपस्थित जनसमूह में एकता एवं गर्व की भावना का संचार किया। इस रैली के बाद, स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिससे भारतीय रेल की 'स्वच्छ भारत अभियान' के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से झलकी।

स्वयंसेवकों ने मिलकर स्टेशन क्षेत्र को स्वच्छ, स्वच्छंद और यात्रियों के लिए स्वागतयोग्य बनाने में अहम योगदान दिया। इसके साथ ही, पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्टेशन परिसर में कई पौधे रोपे गए। यह पहल मंडल की हरित और स्वच्छ भविष्य की दिशा में प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कोलकाता-चेन्नई के मैच के दौरान ईडन गार्डेंस में बम रखे जाने की धमकी भरा मेल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता-चेन्नई का मैच चलने के दौरान बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) को अज्ञात आईडी से धमकी भरा मेल मिला। इसमें लिखा था कि स्टेडियम में बम रखा हुआ है। कैब सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद सुरक्षा और बढ़ा दी गई। पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर सेना की कार्रवाई के बाद पहले से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। स्टेडियम के अंदर-बाहर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मी तैनात थे। कोलकाता पुलिस के कई आला अधिकारी पल-पल की स्थिति की जानकारी ले रहे थे। स्टेडियम में प्रवेश से पहले प्रत्येक व्यक्ति की कई स्तरों पर गहनता से जांच की गई।

ग्लेनमार्क की 'मेरी पोषित रसोई' सीजन 7 ने 850 प्रविष्टियों से पोषण जागरूकता बढ़ाई

कोलकाता, समाज्ञा : ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की सीएसआर इकाई, ग्लेनमार्क फाउंडेशन ने इडोब्रो इम्पैक्ट सॉल्यूशंस के साथ मिलकर 'मेरी पोषित रसोई' के सातवें संस्करण का सफल आयोजन किया। बच्चे न रहें कुपोषित, जब खाना बने पोषित थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में देशभर के 23 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों से 850 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। 7 सदस्यीय विशेषज्ञ पैनल ने 26 अप्रैल को मुंबई में आयोजित फाइनल के लिए 25 प्रतिभागियों का चयन किया। विजेताओं में वडोदरा की पूनम जैन, गोवा की प्रियंका तलौलीकर, मुंबई की नेहल मेन और मृदुल प्रभुदेसाई के साथ हुगली के सुभदीप ढाली शामिल रहे। ढाली की कुल्थी के कमाल धमाल प्लेटर ने बंगाल के पारंपरिक सुपरफूड कुल्थी दाल को नई पहचान दी। ग्लेनमार्क की चेरिल पिंटो ने इस पहल को कुपोषण से लड़ने की दिशा में सामूहिक प्रयास बताया और विशेषज्ञों ने इसे स्वास्थ्य और परंपरा को जोड़ने वाला प्रभावशाली मंच माना।

हावड़ा स्टेशन में सिग्नलिंग तकनीक का ऐतिहासिक परिवर्तन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे का हावड़ा डिवीजन 2025 में अपने 100 वर्ष पूरे करेगा। भारत के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में शामिल हावड़ा न सिर्फ यात्री संख्या में बल्कि तकनीकी विकास में भी अग्रणी रहा है। खासकर ट्रेन सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग के क्षेत्र में हावड़ा स्टेशन का इतिहास उल्लेखनीय रहा है। आरंभिक दिनों में जहां सिग्नल घूमने वाली डिस्क और आर्म्स पर आधारित होते थे, वहीं समय के साथ आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए स्टेशन ने अपनी प्रणालियों को उन्नत बनाया। 1890 के दशक के अंत में लिस्ट-मोर्स इंटरलॉकिंग सिस्टम की शुरुआत ने रेलवे सुरक्षा में क्रांति ला दी। 1905 तक यह प्रणाली पूरी तरह लागू हो चुकी थी और ईस्ट इंडियन रेलवे ने 1889 में भारत का पहला सिग्नल इंजीनियर नियुक्त कर तकनीकी नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया। 1967 में हावड़ा में रूट रिले इंटरलॉकिंग (आरआरआई) प्रणाली शुरू की गई, जिसने जटिल यार्ड में ट्रेनों की आवाजाही को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया। लेकिन जैसे-जैसे ट्रेनों की संख्या बढ़ी, पुरानी प्रणाली 2003 तक अप्रभावी हो गई। उस समय स्टेशन पर प्रतिदिन 52 जोड़ी लंबी दूरी की ट्रेनें, 202 जोड़ी उपनगरीय सेवाएं और 300 से अधिक शंटिंग मूवमेंट होते थे। 13 सितंबर 2003 को महज 24 घंटे के अस्थायी बंद के दौरान नई आरआरआई प्रणाली स्थापित की गई, और यह काम केवल 22 घंटों में पूरा हुआ, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। आज यह प्रणाली 1,197 मार्ग, 187 सिग्नल और 156 ट्रैक सर्किट संचालित करती है। यह उन्नयन न केवल संचालन में लचीलापन लाया है बल्कि हावड़ा को वैश्विक रेलवे सिग्नलिंग मानचित्र पर एक अग्रणी स्थान भी दिलाता है।

गिरफ्तार पाकिस्तानी ने की थी बंगाल के दो विधानसभा चुनावों में वोटिंग

कोलकाता : भारत-पाक के बीच चरम तनातनी के बीच यह खबर किसी भी भारतीय के लिए चिंता का विषय है कि बंगाल में गिरफ्तार पाक नागरिक आज़ाद मलिक ने यहां के मतदान में वोट डालता रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पश्चिम बंगाल में नकली पासपोर्ट रैकेट मामले में गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी नागरिक आज़ाद मलिक ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में अवैध रूप से मतदान किया था। इस चौंकाने वाले खुलासे ने सुरक्षा और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, ईडी की जांच में सामने आया है कि आज़ाद मलिक दमदम-उत्तर विधानसभा क्षेत्र का पंजीकृत मतदाता था, जो उत्तर 24 परगना ज़िले में आता है और दमदम लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है। ईडी की पूछताछ के दौरान मलिक ने खुद दोनों चुनावों में मतदान करने की बात स्वीकार की है। आज़ाद मलिक को अप्रैल की शुरुआत में कोलकाता से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के समय जब्त दस्तावेज़ों के अनुसार, वह पहले बांग्लादेशी नागरिक के रूप में भारत में रह रहा था। उसने फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए भारतीय पासपोर्ट समेत अन्य पहचान पत्र प्राप्त किए थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि मलिक, जो 'मलिक ट्रेडिंग कॉरपोरेशन' का मालिक है, कोलकाता स्थित अपने आवास से हवाला नेटवर्क भी चला रहा था। साथ ही, वह बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी भारतीय पासपोर्ट उपलब्ध कराने वाले गिरोह से भी जुड़ा हुआ था। 29 अप्रैल को ईडी के वकील ने कोलकाता की एक विशेष अदालत को बताया कि पूछताछ के दौरान यह सामने आया है कि मलिक मूल रूप से पाकिस्तान का निवासी है। उसने पहले बांग्लादेश की नागरिकता अवैध तरीकों से प्राप्त की, और फिर भारत के फर्जी दस्तावेज़ बनवाए। मलिक का असली पाकिस्तानी नाम 'आज़ाद हुसैन' था, जिसे उसने बांग्लादेशी दस्तावेज़ों में 'अहमद हुसैन आज़ाद' कर लिया और भारतीय पासपोर्ट में उसका नाम 'आज़ाद मलिक' दर्शाया गया।

सियालदह मंडल ने लिमिटेड हाइट सबवे का निर्माण कर सुरक्षा और संरचना में जोड़ा नया आयाम

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए मुर्शिदाबाद और जियागंज के बीच लिमिटेड हाइट सबवे संख्या 143 का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। यह जटिल परियोजना तीन व्यस्त रेल लाइनों और दो ओएचई क्रॉसओवर के नीचे 13 प्रीकास्ट कंक्रीट बॉक्स स्थापित कर संपन्न की गई, जिसे पावर और ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान पूरा किया गया। कार्य के दौरान रेतीली मिट्टी और भूजल रिसाव जैसी इंजीनियरिंग चुनौतियां सामने आईं, जिनसे शीट पाइलिंग तकनीक के माध्यम से सफलतापूर्वक निपटा गया। परियोजना का संचालन वरिष्ठ मंडल अभियंता सचिन सुमन और के.पी. देव के नेतृत्व में, डीआरएम राजीव सक्सेना के मार्गदर्शन में हुआ। इस दौरान ट्रैक डीस्ट्रेसिंग, बैलास्ट डीप स्क्रीनिंग, रेल वेल्डिंग और ओएचई रखरखाव जैसे कार्य भी किए गए। डीआरएम श्री सक्सेना ने बताया कि यह अंडरपास लेवल क्रॉसिंग हटाकर यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम मार्ग प्रदान करेगा, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

एलर्जी: रोग और निदान

रूपक कुमार

एलर्जी शरीर की संवेदनशील प्रक्रिया है जो किसी विशिष्ट पदार्थ के अवशोषण से बाह्य लक्षणों के रूप में प्रदर्शित होती है। उदाहरणस्वरूप उल्टी होना, नजला, चक्कर, शरीर का नीला पड़ जाना आदि जैसी असामान्य क्रियाएं होने लगती है।

कोई भी भोज्य पदार्थ किसी भी व्यक्ति पर प्रतिक्रिया कर सकता है। यह उस व्यक्ति विशेष की शारीरिक संरचना पर निर्भर करता है कि उसके उत्तक किस पदार्थ से संवेदनशील हो उठते हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि अण्डा, दूध, फल, अनाज, मछली आदि से अधिक एलर्जी होती है परन्तु यह बात शत प्रतिशत सही नहीं मानी जा सकती। इसके अलावा भी एलर्जी के और भी कई स्रोत माने जाते हैं।

अक्सर यह देखने में आता है कि पेय पदार्थों से भी लोग एलर्जीग्रस्त हो जाते हैं। सर्वेक्षण के दौरान इस तथ्य की पुष्टि हो चुकी है। एक एलर्जी पीड़ित लड़की के अनुसार जब भी वह कोई ठंडा पेय पदार्थ लेती है तो उसका शरीर संवेदनशील हो उठता है। फलस्वरूप उसके शरीर में कई प्रकार के असामान्य लक्षण प्रकट होने लगते हैं जैसे खुजली होना, शरीर पर दाने निकल आना इत्यादि। पेय पदार्थों के अतिरिक्त और भी ऐसे कारक हैं जो एलर्जिक प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। सुगंधित पदार्थ, फूलों के पराग, धूलकण, पेट्रोल या केरोसिन तेल की गंध, फफूंदी, दर्दनिवारक गोलियां इत्यादि इसी श्रेणी में आते हैं।

इन सारे कारकों को एलर्जन (प्रतिजन) की संज्ञा दी गई है जो शरीर में प्रविष्ट होने पर प्रतिपिंड (एलर्जिक) पदार्थों के उत्पादन को अभिप्रेरित करते हैं। उत्पादित प्रतिपिंड और पहले से शरीर में स्थित प्रतिपिण्डों में परस्पर एक प्रतिक्रिया होती है। इस प्रतिक्रिया के फलस्वरूप शरीर में कुछ हानिकारक रसायन उत्पादित होते हैं जो एलर्जी के लक्षण उत्पन्न करते हैं।

प्रतिपिंड जो मुख्य रूप से एलर्जी कारक होते हैं, उसी प्रतिजन के अनुसार होते हैं जो उन्हें उत्पन्न करता है। ये रक्त के 'गामा ग्लोबुलिन' वाले अंश में विद्यमान हैं। ये प्रतिजन

और प्रतिपिंड जब परस्पर प्रतिक्रिया करते हैं तो 'हिस्टामिन' और 'सेरोटोनिन' नामक रसायनिक पदार्थ मुक्त करते हैं जो शरीर ताप अनियंत्राण, श्वास अनियंत्राण, त्वचा शोथ जैसी परेशानियां उत्पन्न करते हैं।

एलर्जी का प्रभाव शरीर पर कभी-कभी तो अप्रत्याशित तेजी से होता है तो कभी काफी धीमी गति से। यह शरीर की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है। कम संवेदनशील व्यक्ति पर कई दिनों तक एक ही भोज्य पदार्थ के सेवन के उपरांत एलर्जी के लक्षण दिखाई पड़ते हैं तो अत्यधिक संवेदनशील व्यक्ति पर इसका प्रभाव एक या दो घंटे में ही स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगता है।

चिकित्सा विज्ञान के अनुसार 'एलर्जी' वंशानुगत भी हो सकती है लेकिन यह जरूरी नहीं है कि किसी विशेष खाद्य पदार्थ से संवेदनशीलता वंशगत रूप में चले। उदाहरणस्वरूप यदि मां को 'विटामिन बी काम्प्लेक्स' से एलर्जी है तो कोई आवश्यक नहीं कि उसकी संतानों को भी उसी से हो। उन्हें अंडे से एलर्जी हो सकती है।

आमतौर पर एलर्जी किसी एक चीज के कारण नहीं होती। इसके एक से अधिक कारण हो सकते हैं। यदि एलर्जी के दो कारण एक साथ प्रकट हो जाते हैं तो इसके गंभीर परिणाम या लक्षण सामने आते हैं इसलिए इसके निदान का जानना अति आवश्यक है।

इसके लिए सबसे पहले एलर्जी पीड़ित व्यक्ति के व्यक्तिगत इतिहास को जानना काफी जरूरी होता है। साथ ही उसके आहार (ठोस या पेय) की सूची बनाकर उसके सेवन के पश्चात् होने वाली प्रतिक्रियाओं (शरीर में) का अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है।

खाद्य पदार्थों के सेवन की सूची और एलर्जी के लक्षण से यह ज्ञात हो जाता है कि एलर्जी का मुख्य कारण क्या है? इस विश्लेषण में दो या तीन वर्ष भी लग सकते हैं या दो तीन सप्ताह में ही परिणाम सामने आ सकते हैं। यह व्यक्ति के शरीर की संवेदनशीलता पर निर्भर करता है।

इसके अतिरिक्त रोगी की त्वचा और उसके आहार की जांच करना भी आवश्यक होता है। त्वचा परीक्षण में, त्वचा को खरोंच कर उस स्थान पर प्रतिजन की एक बूंद डाली जाती है और 15 से 30 मिनट पश्चात् प्रतिक्रिया का अध्ययन किया जाता है।

दूसरे प्रकार के परीक्षण में त्वचा की परतों में प्रतिजन का इंजेक्शन दिया जाता है। धब्बा परीक्षण में फिल्टर पेपर पर आशंकित भोज्य पदार्थ या उसके 'एक्सटैक्रक्ट' को रखकर त्वचा पर 'सेलोफेन' से ढककर 24 घंटे तक रख दिया जाता है। यदि खरोंच या उस भोज्य पदार्थ के संपर्क वाले स्थान पर लाल प्रदाह या लाल टीका (चकत्ता) दिखाई पड़ता है तो उस विशेष भोज्य पदार्थ में एलर्जन होने की आशंका होती है। इसी प्रकार आहार परीक्षण में भिन्न-भिन्न भोज्य पदार्थों को एक सप्ताह तक नियमित रूप से देकर शारीरिक लक्षण का अध्ययन किया जाता है।

अगर एलर्जी का कोई लक्षण प्रकट होता है तब अन्य 'कनफर्मिंग टेस्ट' किये जाते हैं। दूसरी विधि में एलर्जी कारक भोज्य पदार्थ रोगी को एक सप्ताह तक नहीं दिया जाता। फिर उससे उत्पन्न होने वाले लक्षणों का अध्ययन किया जाता है। यह प्रक्रिया लगातार कई सप्ताह तक दुहराई जाती है और प्राप्त अध्ययनों का पुनः तुलनात्मक अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला जाता है और तदनुरूप उसका उपचार किया जाता है।

वास्तव में एलर्जी कोई रोग है ही नहीं। यह मात्रा शारीरिक लक्षणों में परिवर्तन या शारीरिक उद्दीपन है। इसका निदान हम चाहें तो थोड़ी सी सूझबूझ के सहारे कर सकते हैं और डॉक्टरी इलाज के फिजूल खर्चे से बच सकते हैं। इसके लिए मात्रा अपने आहार पर या वैसे पदार्थ जिसके कारण शरीर में अनियमितता के लक्षण प्रकट हों, उस पर नियंत्राण रखना होगा। उनसे अपने शरीर के सम्पर्क को बचाना होगा। इसके अलावा संश्लेषित आहार के सेवन द्वारा भी इस समस्या का निदान काफी हद तक पाया जा सकता है। (स्वा.द)

सेहत की खबरें

अशोक गुप्त

आंवला खाएं, स्वास्थ्य बनाएं

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार इस मौसम में अमृत फल आंवला खाकर आप अपने स्वास्थ्य का कायाकल्प कर सकते हैं। आंवला विटामिन सी का तो बहुत बड़ा 1ोत है ही, यह शरीर के हर अंग को मजबूत बनाता है और शरीर की कोशिकाओं में नई जान डाल देता है।

आंवला खाने से बालों का सफेद होना रूकता है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित रखता है। इससे लाल रक्त कणों की संख्या में वृद्धि होती है और दांत मजबूत होते हैं। आंवले से हड्डियां और नाखून मजबूत होते हैं और हमारी देखने की शक्ति में भी सुधार होता है। आंवले का नियमित प्रयोग शरीर को युवा बनाए रखने में सहायक होता है।

बिस्कुट का मजा ठंडे दूध के साथ ही है

यूं तो आमतौर पर बिस्कुट को चाय के साथ ही लिया जाता है किंतु अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि गर्म पेय के साथ बिस्कुट खाने से इसका स्वाद व खुशबू जल्दी गायब हो जाते हैं जबकि दूध के साथ बिस्कुट खाने से उसकी महक मुंह में बनी रहती है। यदि ठंडे दूध में चाकलेट भी मिला लिया जाए तो सोने में सुहागा हो जाता है और इसका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। इस अनुसंधान हेतु कई प्रकार के बिस्कुटों और पेयों को साथ-साथ मिलाकर प्रयोग किया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार यह कमाल दूध में घुले वसा बिंदुओं का है। सबसे खराब मिश्रण बिस्कुट और शीतल पेयों का पाया गया है जिससे खुशबू कम हो गयी। आगे से जब बिस्कुट खाएं तो साथ दूध ही पीएं। दूध ठण्डा हो तो बेहतर है।

हल्का भोजन-बीमारी को दूर भगाए

अब तक डॉक्टर पौष्टिक भोजन पर जोर देते रहे हैं परन्तु अब एक अमरीकी विशेषज्ञ डॉ नील बनार्ड का कहना है कि रोग मुक्त रहने के लिए दूध, दही, घी व अंडे आदि छोड़कर रूखा-सूखा भोजन खाएं। उनके अनुसार दाल-रोटी, फल और हरी सब्जियां ही सबसे अच्छा भोजन हैं क्योंकि दूध और इसके उत्पाद खाने से शरीर से कैल्शियम रक्त में होकर निकल जाता है जबकि मांसाहारी भोजन से कैंसर की संभावना बढ़ जाती है।

डॉ बर्नार्ड का कहना है कि पश्चिमी देशों में लोग मांसाहारी भोजन से शाकाहारी भोजन पर आ रहे हैं पर भारत में मांसाहारी भोजन का आकर्षण बढ़ता जा रहा है। उनका यह भी कहना है कि शरीर में लौह तत्व की कमी पूरी करने के लिए दूध के स्थान पर हरी सब्जियों का प्रयोग अधिक लाभप्रद है। वे तो यहां तक कहते हैं कि शाकाहारी भोजन से दमे को भी दूर दिया जा सकता है।

टेलीफोन को कन्धे और कान के बीच न रखें

फ्रांस के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि जो लोग टेलीफोन अपने सिर और कन्धे के बीच फंसा कर अधिक देर तक बातें करते हैं उन्हें हल्के दिल के दौरे की संभावना हो सकती है। ऐसे एक मरीज के दिमाग की जांच से पता चला कि उनके दिमाग, आंखों और सिर के अन्य भागों को रक्त पहुंचाने वाली रक्त नलिका क्षतिग्रस्त हो गयी और उन्हें तीन मास तक इसका उपचार करवाना पड़ा। भविष्य में टेलीफोन को हाथ में पकड़ कर ही बात करें।

आलू सबसे बेहतर

केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक पी. सी. गौड़ का कहना है कि आलू केवल सब्जी ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से गेहूं, चावल, दूध और अंडे से भी बेहतर होता है। उनका कहना है कि दूध और अंडे की तुलना में आलू में अधिक प्रोटीन होता है। वैसे अपने देश में एक ऐसे सज्जन भी हैं जिन्होंने केवल आलू खाने का व्रत ही लिया हुआ है। वे कई वर्ष तक केवल आलू खाकर रहे हैं और अब आलू के साथ दूध भी लेते हैं और उनका स्वास्थ्य आम आदमी से बेहतर है।

स्लिमिंग सेंटरों से सावधान

आजकल हर व्यक्ति स्लिम होकर आकर्षक व्यक्तित्व पाना चाहता है और इस चाहत में वह जिम व स्लिमिंग सेंटरों तक पहुंच जाता है। इन केंद्रों में कई प्रक्रियाओं से वजन कम करने का प्रयास किया जाता है जिनमें कुछ प्रक्रियाएं बाद में शरीर के लिए हानिकारक सिद्ध होती हैं। इन केंद्रों के संचालक बिना कोई विशेषज्ञ रखे विभिन्न मशीनों की सहायता से विद्युत तरंगें देते हैं। कहीं डीप हीट थैरेपी तो कहीं हल्के विद्युत करंट द्वारा चर्बी कम करने का प्रयास किया जाता है।

कुछ स्लिमिंग सेंटर तो अपने यहां आने वाले लोगों को विशिष्ट खाद्य पदार्थ भी देते हैं जिनका शरीर पर कई प्रकार से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इन सेंटरों के चक्कर में न पड़ें और केवल खानपान नियत्रांण, हल्का व्यायाम, नियमित लंबी सैर और योग के द्वारा ही वजन को धीरे-धीरे कम करने का प्रयास करें। कहीं ऐसा न हो कि वजन कम करते-करते किसी अन्य बीमारी को दावत दे बैठें। (स्वा.द)

पाएं योगासन का पूरा लाभ

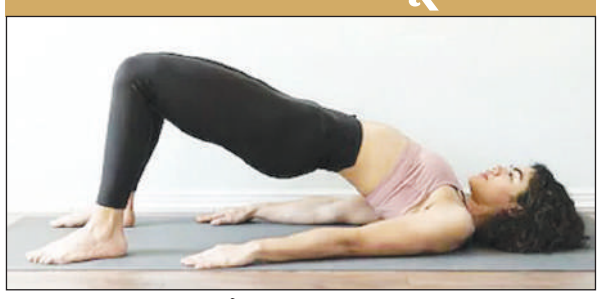

उमेश कुमार साहू

नियमित योगासन से व्यक्ति अपने आपको लंबे समय तक चुस्त दुरुस्त बनाए रख सकता है। योग बीमारियों से बचे रहने का सबसे बेहतर उपाय है, लेकिन योगासन यूं ही नहीं किए जा सकते। योग कैसे करना चाहिए तथा इसे करने से पहले और बाद में क्या करना चाहिए और क्या नहीं, यहां इस बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत हैं:-

▲ योगासन प्रातः काल शौचादि से निवृत्त होने के बाद करना चाहिए। यदि स्नान करने के बाद योगासन किया जाएं तो और भी अच्छा है क्योंकि स्नान से शरीर हल्का-फुल्का और स्फूर्तियुक्त बन जाता है। संध्याकाल में भोजन से पूर्व आसन किए जा सकते हैं।

▲ आसन करने की जगह समतल, स्वच्छ और शांत होनी चाहिए। भूमि पर मोटी दरी या कालीन आदि बिछाकर योगासन करें।

▲ आसन करते समय बातचीत न करें। यदि आसन एकाग्रता से किए जाएं तो शारीरिक और मानसिक लाभ अधिक होते हैं।

▲ अभ्यास करते समय घड़ी, चश्मा या आभूषण न पहनें।

▲ योगासन झटके के साथ या बलपूर्वक नहीं करें। इससे शरीर में पीड़ा हो सकती है।

▲ योगासन करते समय ढीले कपड़े पहनने चाहिए।

▲ जटिल रोगों में या अधिक ज्वर में आसन न करें। महिलाओं को गर्भधारण के चार महीनों के बाद, प्रसूति के तीन महीनों और मासिक धर्म के समय आसन नहीं करने चाहिए।

▲ आसनों की संख्या और उनकी अवधि धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए। पहले ही दिन अधिक आसन कर डालने का प्रयास करना ठीक नहीं है।

▲ यदि आसन करते समय शरीर के किसी भाग में अधिक दर्द होता हो तो उस आसन का अभ्यास तुरंत बंद कर दें।

▲ आसन करते समय व्यक्ति को यथासंभव हल्का भोजन करना चाहिए, ताकि शरीर हल्का-फुल्का रहे।

▲ योगासन करते समय शरीर को हवा का सीधा झोंका न लगे, यह ध्यान रखें। योगासन करते समय शरीर के किसी भी जोड़ को उसके कुदरती मोड़ के अनुसार ही मोड़ना चाहिए। कभी उलटे या तिरछे होने का प्रयत्न न करें। योगासन के अभ्यास के क्रम का भी ध्यान अवश्य रखें, फिर प्राणायाम और अंत में ध्यान करें। (स्वा.द)

उमंग से भरा एक नाजुक दौर है गर्भावस्था

सोनी मल्होत्रा

मां बनना हर महिला की जिंदगी का एक सपना होता है और गर्भावस्था एक ऐसा समय होता है जब एक नए मेहमान के आने की खुशी तो होती ही है, साथ ही एक डर भी होता है क्योंकि पहली बार गर्भधारण करते समय कई आशंकाएं भी होती हैं।

यह एक ऐसा नाजुक दौर होता है जब अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है क्योंकि इस समय गर्भवती महिला को अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ उस नए मेहमान के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना होता है। इसलिए अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें और डॉक्टर से नियमित परामर्श लेती रहें।

गर्भावस्था के दौरान भोजन की मात्रा और स्तर दोनों में वृद्धि होती है, तभी मां और गर्भ में पल रहे शिशु को पर्याप्त आहार प्राप्त हो सकता है। इस अवस्था में पौष्टिक आहार का सेवन बहुत आवश्यक है। अगर आप अच्छी व पौष्टिक खुराक ले रही हैं तो गर्भस्थ शिशु को अपनी आवश्यकता के अनुसार खुराक मिलती रहेगी। गर्भावस्था में अपने व गर्भस्थ शिशु दोनों की उचित देखभाल के लिए निम्न बातों को ध्यान में रखें:-

◆ गर्भधारण का पता चलते ही सबसे पहले अपनी डॉक्टर का चयन करें जिससे आप नियमित नौ महीने तक अपनी जांच करवाएंगी। अपनी डॉक्टर न बदलती रहें। अगर आपकी डॉक्टर के पास आपके बारे में पूर्ण जानकारी होगी तो प्रसव के दौरान अधिक समस्या नहीं आएगी।

◆ गर्भावस्था में तनावरहित रहने का प्रयत्न करें। खुश रहने का प्रयत्न करें। तनाव का आपके स्वास्थ्य पर तो बुरा प्रभाव पड़ेगा ही, साथ ही आपके गर्भ में पल रहे शिशु का स्वास्थ्य भी प्रभावित होगा।

◆ गर्भावस्था के दौरान अनेक शारीरिक परिवर्तन होते हैं। उनको लेकर व्यर्थ की शंकाएं न पालें। किसी भी शंका के समाधान के लिए अपनी डॉक्टर से परामर्श करें।

◆ डॉक्टर के कहे अनुसार अपनी नियमित जांच करवाती रहें। डॉक्टर द्वारा कहे गए टेस्ट भी समय पर करवाएं। ब्लड प्रेशर, मूत्रा परीक्षण, खून की जांच आदि डॉक्टर के परामर्श के अनुसार करवाती रहें।

◆ गर्भावस्था के दौरान किसी भी दवाई का सेवन डॉक्टर से बिना पूछे न करें। प्रायः बुखार, बदन दर्द, सर दर्द आदि की दवाएं बिना डॉक्टरी सलाह के ही ले ली जाती हैं पर गर्भावस्था में इनके सेवन से कई साइड इफेक्टस हो सकते हैं और गर्भस्थ शिशु पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए कोई भी तकलीफ होने पर अपनी डॉक्टर से सलाह लें।

◆ गर्भावस्था के दौरान सफर आदि पर जाने से पहले अपनी डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें क्योंकि आपकी थोड़ी सी असावधानी आप और आपके शिशु को प्रभावित कर सकती है।

◆ गर्भावस्था में कुछ महिलाएं इतनी एहतियात बरतती हैं कि उन्हें लगता है कि इस अवस्था में बेड रेस्ट ही करना चाहिए पर ऐसा नहीं है। एहतियात बरतना आवश्यक है पर बिल्कुल निष्क्रिय जीवन शैली अपना लेना नुक्सानदायक हो सकता है, इसलिए अपने डॉक्टर से परामर्श लेकर चुस्त रहने की कोशिश करें। इस अवस्था में डॉक्टर हल्के व्यायाम करने की भी सलाह देती है। वह भी करती रहें। सैर करना लाभदायक व्यायाम है।

◆ भावी शिशु की जिम्मेदारी संभालने के लिए मां का शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होना बहुत आवश्यक है, इसलिए अपने आहार की ओर विशेष ध्यान दें। संतुलित व पोषक तत्वों से भरपूर भोजन लें। फल, हरी सब्जियां जूस आदि नियमित लें। बाहर का खाना कम खाएं और बासा भोजन बिल्कुल न लें।

◆ गर्भावस्था के दौरान उलटियां आदि भी काफी आती हैं, इसलिए कोशिश करें कि थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कुछ समय के अंतराल में भोजन ग्रहण करती रहें।

◆ गर्भावस्था में अतिरिक्त प्रोटीन व कैलोरी की आवश्यकता होती है, इसलिए दालों, अनाज व अंकुरित दालों आदि का सेवन अवश्य करें।

◆ गर्भावस्था में बच्चे की हड्डियों व दांतों के निर्माण के लिए अधिक कैल्शियम की आवश्यकता होती है इसलिए दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां व दालों का सेवन करें। कैल्शियम की गोली का सेवन करने को भी इसी लिए डॉक्टर कहते हैं।

◆ गर्भावस्था में रक्त निर्माण के लिए मां के शरीर से बच्चा लौह तत्व का बड़ी मात्रा में उपयोग करता है इसलिए आयरन की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। लौहतत्व युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 भी आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी डॉक्टर गोलियों का सेवन करने को कहते हैं।

◆ गर्भावस्था के दौरान ढीले-ढाले वस्त्रा पहनें जो आरामदेह हों।

◆ सिगरेट और अल्कोहल का सेवन हर व्यक्ति के लिए नुक्सानदायक है परन्तु गर्भावस्था में तो इसका सेवन बहुत ही हानिकारक हो सकता है और शिशु पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है, इसलिए धूम्रपान व अल्कोहल का सेवन न करें।

◆ गर्भावस्था में पर्याप्त आराम करें। पर्याप्त नींद लेना बहुत महत्त्वपूर्ण है। (स्वा.द)

जानिए, ओम से होने वाले फायदे के बारे में

अनूप मिश्रा

कहते है कि हमेशा ओम का जाप करते रहने से हमारे जीवन में अध्यात्म का विकास होता है और हमें असीम शांति मिलती हैं इसलिए व्यक्ति को सदैव ओम का नाम लेते रहना चाहिए। साथ ही इसके कई स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी होते है। तो चलिए जानते हैं ओम का नियमित अभ्यास करने से मिलने वाले कुछ अद्भुत फायदों के बारे में-

विशेषज्ञ के अनुसार रोजाना ओम का उच्चारण करने से हृदय और रक्त के प्रभाव को संतुलित रखा जा सकता है और तन-मन के बीच में संतुलन बनाए रखने में भी बड़ी आसानी होती है। परिणामस्वरूप पूरा तन तनाव रहित हो जाता है।

यदि आपको बहुत जल्दी घबराहट होने या गुस्सा आने की बीमारी है तो 'ऊँ' के उच्चारण से बेहतर कोई और विकल्प नहीं हो सकता है क्योंकि इस दौरान हरेक डाक्टर दवा के रूप में केवल ओम का उच्चारण करने की ही नेक सलाह देता हैं।

आयुर्वेद के मुताबिक हमेशा ओम का अभ्यास करते रहने से डाइजेशन अच्छी होती है और सारा दिन शरीर सक्रिय बना रहता है।

अनेक चिकित्सकों के मतानुसार' ऊँ ' बोलने से कंपन पैदा होती है । इस कंपन से रीढ़ की हड्डी प्रभावित होती है और इसकी क्षमता बढ़ जाती है।

माना जाता है कि थकान से बचने के लिए ओम के बोलने से बढ़िया दवा कोई और नहीं हो सकती।

कहते है कि अगर आपको अक्सर देर रात तक नींद न आने की समस्या होती है तो रेगुलर निरंतर कुछ देर तक ओम का उच्चारण करें तो इससे आपकी समस्या का समाधान मिल जायेगा।

ऐसा कहा जाता है कि आंखें बंद करके अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यदि हम ओम का उच्चारण करते है तो इससे गले में कंपन पैदा होती है, जो थायराइड ग्रंथि पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। (स्वा.द)

डिप्रेशन को अपने से रखें दूर

सोनी मल्होत्रा

हम सब की जिंदगी में कभी-कभी ऐसे क्षण आ जाते हैं जब हम अपने को उदास और दुखी महसूस करते हैं और कभी-कभी यह उदासी और दुख इतना गंभीर रूप धारण कर लेता है कि हम डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं। डिप्रेशन के कारण हम अपने कार्यो को ठीक से नहीं कर पाते। डिप्रेशन हमारे मूड, व्यवहार व सोच सभी को प्रभावित करता है। यही नहीं, अधिक डिप्रेशन के कारण सिरदर्द, पीठदर्द, कमजोरी, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, भूख न लगना आदि कई समस्याएं भी पेश आती हैं।

गंभीर डिप्रेशन का कारण व्यक्ति की जिंदगी में बहुत दुखद घटना, थायरायड विकार या मस्तिष्क में रसायनों का असंतुलन हो सकता है पर माइल्ड डिप्रेशन जिसकी अवधि कम होती है, का कारण आहार में पोषक तत्वों की कमी, जंक फूड का अधिक सेवन, रक्त में शर्करा की मात्रा कम होना, लो ब्लड शूगर, टेंशन या वंशानुगत होता है। कारण जो भी हो, यह व्यक्ति के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है, इसलिए इससे सुरक्षा व इलाज बहुत आवश्यक है।

विशेषज्ञों का मानना है कि व्यक्ति का भोजन हमारे शरीर व मस्तिष्क दोनों पर प्रभाव डालता है। इसलिए डिप्रेशन में कुछ बातों पर विशेष ध्यान दें:-

❐ अल्कोहल का सेवन न करें क्योंकि यह डिप्रेशन देता है। विटामिन और मिनरल खाद्य पदार्थो का सेवन भी डिप्रेशन से सुरक्षा देता है। विभिन्न शोधों से यह सामने आया है कि थाइमासन (बी1) और रिबोफ्लेविन (बी2) की कमी डिप्रेशन का कारण बनती है। यही नहीं, डिप्रेशन से पीड़ित कई रोगियों में फोलिक एसिड और जिंक की कमी भी पाई गई। इसलिए इन तत्वों के अच्छे स्रोतों का सेवन करें।

❐ अगर आप थके हुए या नर्वस हैं तो उस समय अधिक जटिल कार्बोहाइडेक्रट युक्त खाद्य पदार्थो का सेवन करें। इससे आप बहुत आराम महसूस करेंगे। जटिल कार्बोहाइडेक्रट के अच्छे स्रोत हैं दालें, आलू, इडली, शकरकंद, पास्ता आदि।

❐ बहुत अधिक तले हुए भोजन या डीप फ्राई खाद्य पदार्थो का सेवन कम करें क्योंकि इनकी पाचन प्रक्रिया धीमी होती है व ये अन्य खाद्य पदार्थो के पचने में भी बाधा डालते हैं। इस कारण से मानसिक सक्रियता की कमी भी हो सकती है।

❐ गेहूं और गेहूं से बने अन्य खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। इनमें पाया जाने वाला ग्लूटेन भी डिप्रेशन का कारण बनता है।

❐ व्यायाम तो डिप्रेशन में सबसे अधिक फायदेमंद है क्योंकि व्यायाम के दौरान हमारे मस्तिष्क में एंडार्फिन उत्पन्न होता है जो डिप्रेशन दूर भगाता है। इसके अतिरिक्त सूरज की रोशनी से शरीर द्वारा मेलाटोनिन नामक एक हार्मोन अधिक उत्पन्न होता है।यह मेलाटोनिन हार्मोन डिप्रेशन को कम करने में सहायक माना जाता हैं

❐ इसके अतिरिक्त पर्याप्त आराम व आशावादी होना डिप्रेशन से लड़ने में सहायता देते हैं। आशावादी नजरिया व्यक्ति को खुश व स्वस्थ रखता है इसलिए आशावादी बनें।

❐ कई लोग जो अवसाद का शिकार होते हैं, वे कुछ मीठा खाने के उपरांत अच्छा महसूस करते हैं।

(स्वा.द)

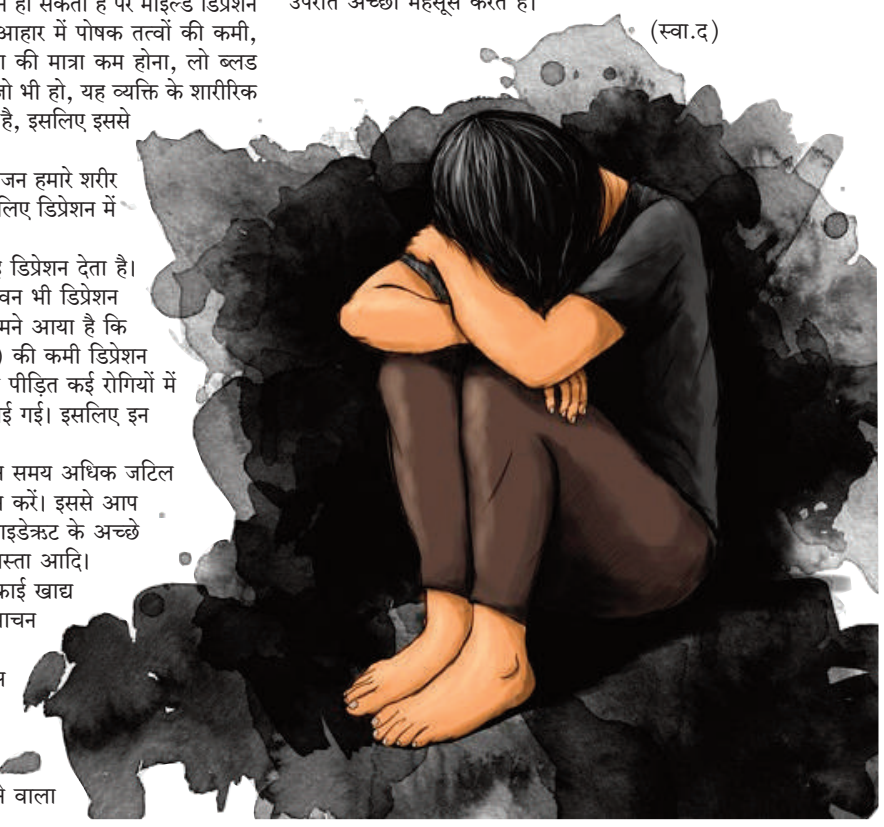

अपने सौंदर्य को बिगड़ने न दें

भाषणा बांसल

उपरोक्त तथ्य से अवश्य ही आपको हैरानी हुई होगी मगर वास्तविकता यह है कि कई महिलाएं अपनी लापरवाही और आलस्य की वजह से अपनी खूबसूरती को बिगाड़ लेती हैं। वे अनजाने में ऐसी कई गलत आदतें अपना लेती हैं, जिनसे उनकी सुंदरता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है व इसका पता उन्हें तब चलता है जब उनका सौंदर्य लगभग नष्ट हो चुका होता है। आइए आपको भी बता दें कि किन आदतों से आपकी सुंदरता नष्ट हो सकती है।

✒ सौंदर्य के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है अच्छी कम्पनी के सौंदर्य प्रसाधनों का प्रयोग। अगर आप धन की बचत करने के चक्कर में सस्ते सौंदर्य प्रसाधन इस्तेमाल करती हैं तो समझिए कि आप अपनी सुंदरता को तो विनाश की ओर ले जा रही हैं, साथ ही कई बीमारियों को भी जन्म दे रही हैं।

✒ अगर आप नाखून चबाती हैं तो इस आदत को त्याग दीजिए क्योंकि इससे नाखूनों के सौंदर्य पर गलत प्रभाव पड़ता है।

✒ एक ही प्रकार का हेयर स्टाइल भी सौंदर्य को कम करता है अतः सुंदर दिखने हेतु रोजाना एक ही हेयर स्टायल न बनाएं। बीच-बीच में इसे बदलती रहें।

✒ होंठ चबाने की आदत भी होंठों के सौंदर्य पर कुठाराघात है और इससे आपकी फूहड़ता का परिचय मिलता है अतः ऐसी आदत से बचिए।

✒ सोने से पहले मेकअप साफ न करना भी आपकी लापरवाही को सिद्ध करता है। अगर आप चाहती हैं कि आप सुबह का शुभारंभ मुस्कुराते हुए करें तो रात को मेकअप साफ करके ही सोयें वर्ना सुबह उठते ही अगर आप शीशे में अपना चेहरा देखेंगी तो आपका मूड खराब हो जाएगा।

✒ पान मसाला व सुपारी आदि चबाते रहना दांतों की सुंदरता को नष्ट करता है अतः इनसे दूर रहें।

✒ प्यास बुझाने के लिए कोल्ड ड्रिंक का सहारा न लें। अत्यधिक कोल्ड ड्रिक्स पीने से सौंदर्य पर विपरीत असर होता है । हां, फलों का रस पीना सौंदर्य के साथ साथ स्वास्थ्य के लिए भी श्रेयस्कर है।

✒ अधिक तली-भुनी चीजें, चॉकलेट आदि से परहेज रखें। ये सौंदर्य के विनाश में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

✒ पैरों की एड़ियां फटने पर तुरंत उनका उपचार करें वर्ना पैर देखने में भद्दे लगेंगे।

✒ सौंदर्य को बरकरार रखने के लिए केवल महंगे सौंदर्य प्रसाधनों की ही नहीं बल्कि परिश्रम की भी जरूरत होती है। अगर आप भी सुंदर दिखना चाहती हैं तो उपरोक्त तथ्यों पर गौर करें व अपना सौंदर्य निखारें। (स्वा.द)

देश के अलग-अलग राज्यों में हुई 'मॉक ड्रिल'

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले महीने हुए आतंकी हमले के मद्देनजर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी किये जाने के बाद विभिन्न राज्यों में बुधवार को 'मॉक ड्रिल' की गयी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच 'नए और जटिल खतरे' सामने आए हैं, जिसके बाद मंत्रालय ने यह निर्देश जारी किया था। पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में मंगलवार देर रात को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किये। झारखंड के छह राज्यों में सायरन बजने के बाद 'मॉक ड्रिल' की

शुरुआत हुई। अधिकारी ने बताया कि तीन घंटे का यह अभ्यास रांची, जमशेदपुर, बोकारो, गोड्डा और साहिबगंज में नागरिक सुरक्षा संगठनों के समन्वय से किया जा रहा है। यह अभ्यास राष्ट्रव्यापी मॉक ड्रिल 'ऑपरेशन अभ्यास' का हिस्सा है, जिसमें हवाई हमलों, आग लगने की आपात स्थितियों और खोज एवं बचाव कार्यों जैसे कई प्रतिकूल परिदृश्यों का अनुकरण किया गया। रांची में, यह अभ्यास डोरंडा क्षेत्र में बूंदाबांदी के बीच किया गया, जो शाम सात बजे तक जारी रहने वाला है। हरियाणा के सभी 11 जिलों में 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत 'मॉक ड्रिल' की गयी। प्रदेश के गुरुग्राम, पंचकूला, अंबाला और रोहतक में व्यस्त शॉपिंग मॉल, बाजारों और अन्य प्रतिष्ठानों में अभ्यास किया गया। राज्य के प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भी यह अभ्यास किया गया। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) सुमिता मिश्रा ने बताया कि 'मॉक ड्रिल' 11 जिलों के लिए अनिवार्य थी और तैयारियों को मजबूत बनाने के लिए सभी जिलों में शाम चार बजे सायरन बजने के साथ शुरू करने का निर्णय लिया गया था। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस अभ्यास के साथ-साथ जनता से अनुरोध किया है कि वे शाम सात बजकर 50 मिनट से आठ बजे तक अपने घरों की सभी लाइटें बंद रखें। महाराष्ट्र के मुंबई

में छत्रपति शिवाजा महाराज टर्मिनल और दक्षिण मुंबई के क्रॉस मैदान में 'मॉक ड्रिल' की गयी। छत्रपति शिवाजा महाराज टर्मिनल पर 26 नवंबर 2008 को आतंकियों ने हमला किया था। टर्मिनल पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के कर्मियों ने अलग-अलग और संयुक्त सुरक्षा अभ्यास भी किया। मुंबई पुलिस ने बताया कि जीआरपी और रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) ने विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर रूट मार्च, गश्त और जांच की। यह अभ्यास अपराह्न करीब तीन बजे शुरू हुआ और करीब एक घंटे तक जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि अभ्यास के दौरान, पीली टी-शर्ट पहने नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने समन्वय, प्रतिक्रिया समय और तत्परता का आकलन करने के लिए विभिन्न परिदृश्यों का अनुकरण किया। वहीं दक्षिण मुंबई के क्रॉस मैदान में ठीक शाम चार बजे एक सायरन बजा, जिसके बाद 'मॉक ड्रिल' के हिस्से के रूप में हवाई हमले के दौरान नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन दल और चिकित्सकों की टीम 'घायलों' को बचाने के लिए दौड़ पड़ीं। अभ्यास की शुरुआत एक नकली विस्फोट के बाद आग लगने से हुई। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी और तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। जल्द ही, आग बुझाने के लिए दमकल कर्मी पहुंचे और उसके बाद चिकित्सा कर्मियों ने 'घायलों' को देखभाल के लिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया। कर्नाटक के बेंगलुरु में विभिन्न स्थानों पर 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत बड़े पैमाने पर 'मॉक ड्रिल' की गयी। अधिकारियों के अनुसार, विभिन्न स्थानों पर अपराह्न तीन बजकर 48 मिनट पर सायरन बजने के तुरंत बाद नागरिक सुरक्षा कर्मी, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी हरकत में आ गए। 'ड्रिल' में आग लगने की स्थिति में बचाव अभियान, मलबे के नीचे से लोगों को निकालना, ऊंची इमारतों से लोगों को निकालना और चिकित्सा आपातकालीन सेवाएं शामिल थीं। अभ्यास करीब आधे घंटे तक जारी रहा। तेलंगाना के हैदराबाद में चार स्थानों पर पुलिस, अग्निशमन विभाग और आपदा प्रतिक्रिया बलों की भागीदारी में 'मॉक ड्रिल' की गयी।

मेरे बेटे की हत्या का बदला है 'ऑपरेशन सिंदूर' : पहलगाम हमले में मारे गए आदिल के पिता

अनंतनाग : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दौरान पर्यटकों की रक्षा करते हुए अपने जान गंवाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के पिता ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर सैन्य कार्रवाई ने उनके बेटे की हत्या का बदला लिया है। पहलगाम के बैसरन में आदिल हुसैन शाह खच्चर पर पर्यटकों को घुमाता था। शाह के परिवार ने जवाबी कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सशस्त्र बलों का आभार व्यक्त किया। शाह के पिता सैयद हैदर शाह ने यहां 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, मैं आज बहुत खुश हूं कि सेना और (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने 26 लोगों की हत्या का बदला लिया है। मुझे

खुशी है कि उनकी (हमले में मारे गये लोगों की) आत्मा को आज शांति मिलेगी। शाह के भाई सैयद नौशाद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके और अन्य 25 परिवारों को न्याय दिलाया है। नौशाद ने कहा, अब, मेरे भाई और 25 अन्य निर्दोष लोगों की आत्मा को शांति मिलेगी। जब मुझे आज (बुधवार को) सुबह पता चला कि मोदी ने हत्याओं का बदला लिया है, तो मुझे खुशी हुई। हमें अब न्याय मिला है और हम बहुत खुश हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवार ने 'बदला' लेने के लिए प्रधानमंत्री और सेना को दिया धन्यवाद

कानपुर (उप्र) : पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में शामिल कानपुर के व्यवसायी शुभम द्विवेदी के परिजनों ने उनकी मौत का 'बदला' लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना को बुधवार को धन्यवाद दिया। उनकी यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आई है।

आतंकवादी कुछ भी करने से पहले 100 बार सोचेंगे: पहलगाम हमले में मारे गए नरवाल के पिता ने कहा

चंडीगढ़ : पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई की बुधवार को सराहना की और कहा कि मोदी सरकार ने एक कड़ा संदेश दिया है तथा अब 22 अप्रैल के हमले के साजिशकर्ता भविष्य में ऐसे हमले दोहराने से पहले ''100 बार सोचेंगे। राजेश नरवाल ने करनाल में अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ''जब यह (पहलगाम) घटना हुई थी, तब भी आप (मीडिया) मेरे घर आए थे और पूछा था कि मुझे सरकार से क्या उम्मीद है। मेरा जवाब था कि मुझे अपनी सरकार पर भरोसा है। और आज सरकार ने उस भरोसे को सही साबित किया है।''

शीर्ष अधिकारी आकांक्षात्मक जिलों की जमीनी प्रगति का आकलन करें : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों को आकांक्षात्मक जिलों और विकास खंडों में आये बदलाव का स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के आठ आकांक्षात्मक जिलों में विकास कार्यों के स्थलीय निरीक्षण के लिये प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अलग-अलग अधिकारियों को तीन दिवसीय दौरा करने का निर्देश दिया। बयान में बताया गया कि इसी तरह अन्य 108 आकांक्षात्मक विकास खंडों के दौरे के लिए विशेष सचिव स्तर के 108 अधिकारियों को भेजने का निर्देश

दिया गया। बयान के मुताबिक, अधिकारियों को इन कार्यक्रमों के प्रारम्भ से अब तक इन क्षेत्रों में आये वास्तविक बदलाव का स्थलीय निरीक्षण करने और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है। बयान में बताया गया कि दौरे के लिए प्रमुख सचिव, सचिव और विशेष सचिव की सूची मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा तैयार की जाएगी।

पाकिस्तानी गोलाबारी के बीच सुरक्षित स्थानों पर भेजे जा रहे सीमा के निकट रहने वाले लोग

जम्मू : पाकिस्तान की ओर से हो रही गोलीबारी के मद्देनजर नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास रहने वाले सैकड़ों लोगों को बुधवार को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इससे पहले दिन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू क्षेत्र के पुंछ व राजौरी तथा उत्तरी कश्मीर के बारामूला व कुपवाड़ा के अग्रिम गांवों पर गोलाबारी और मोर्टार से हमला किया जिसमें चार बच्चों और दो महिलाओं समेत 12 लोगों की मौत हो गई तथा 50 से अधिक घायल हो गए। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के नौ ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिसके तुरंत बाद सीमापार से गोलीबारी हुई। भारत ने 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए यह हमले किए जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी।

पाकिस्तान खुफिया एजेंसी सैन्य रेलगाड़ियों की आवाजाही के बारे में जानकारी मांग सकती है : रेलवे

नयी दिल्ली : रेल मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों द्वारा सैन्य रेलगाड़ियों की आवाजाही की जानकारी प्राप्त करने के प्रयास के प्रति आगाह किया है तथा कहा है कि गोपनीय जानकारी किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के साथ साझा नहीं की जानी चाहिए। पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले करने से एक दिन पहले छह मई को जारी अपने परामर्श में मंत्रालय ने कहा था कि ऐसी जानकारी का खुलासा करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होगा। रेलवे बोर्ड की ओर से सभी रेलवे जोन के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधकों को भेजे गए संदेश में कहा गया है, ''पाकिस्तानी खुफिया जासूस रेलवे अधिकारियों को फोन कर सैन्य विशेष रेलगाड़ियों की आवाजाही के बारे में गोपनीय जानकारी मांग सकते हैं।''

ग्वालियर हवाई अड्डे पर नागरिक, वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन 9 मई तक बंद

ग्वालियर : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के मद्देनजर ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया हवाई अड्डे से सभी नागरिक और वाणिज्यिक उड़ान संचालन नौ मई तक निलंबित कर दिया गया है। हवाई अड्डा उड़ान संचालन के लिए भारतीय वायु सेना के महाराजपुरा एयरबेस के रनवे का उपयोग करता है। यह एयरबेस लड़ाकू विमानों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करता है। ग्वालियर एयरपोर्ट के निदेशक काशीनाथ यादव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एयरपोर्ट को नौ मई तक नागरिक और वाणिज्यिक विमानों के लिए बंद कर दिया गया है। एयरपोर्ट ने सोशल मीडिया पर भी यह जानकारी साझा की।

सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद को एक साल का सेवा विस्तार दिया गया

नयी दिल्ली : केंद्र ने बुधवार को सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया। यह उस नए कानून के बाद ऐसा पहला सेवा विस्तार है, जिससे सरकार को संघीय एजेंसी के प्रमुख का कार्यकाल अधिकतम पांच वर्ष तक किए जाने की शक्ति मिल गई है। सूद ने 25 मई, 2023 को दो साल के कार्यकाल के लिए सीबीआई निदेशक का पदभार संभाला था। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सोमवार को हुई बैठक में सूद के कार्यकाल को बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस समिति में भारत के प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने 24 मई से आगे एक वर्ष की अवधि के लिए सूद के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दे दी। यह सेवा विस्तार सीबीआई के कामकाज को नियंत्रित करने वाले दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 में संशोधन के तीन वर्ष बाद किया गया है। नया कानून सरकार को चयन समिति की सिफारिश पर ''सार्वजनिक हित में'' सीबीआई निदेशक का कार्यकाल ''एक बार में एक वर्ष तक'' बढ़ाने की अनुमति देता है। हालांकि, इसमें कहा गया है कि, ''प्रारंभिक नियुक्ति में उल्लिखित अवधि सहित कुल पांच वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद ऐसा कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा।''

तेलंगाना-छत्तीसगढ़ सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ अभियान में 26 माओवादी ढेर

नयी दिल्ली/रायपुर : छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर कर्रेगुट्टा पहाड़ियों पर वाम उग्रवादियों के खिलाफ इस साल चलाए गए सबसे बड़े अभियान के तहत सुरक्षा बलों ने अब तक कुल 26 माओवादियों को मार गिराया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस अभियान में 20 हजार से अधिक जवान शामिल हैं और इसका नेतृत्व छत्तीसगढ़ पुलिस की इकाइयों के साथ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इस अभियान के तहत अब तक चार महिलाओं समेत कुल 26 नक्सली मारे गए हैं। भारी मात्रा में विस्फोटक,

हथियार बनाने वाले अवैध कारखाने और उग्रवादियों का सामान जब्त किया गया है।'' उन्होंने बताया कि सीआरपीएफ की कोबरा और छत्तीसगढ़ पुलिस की डीआरजी और एसटीएफ इकाइयों के 12 से अधिक जवान अब तक घायल हो चुके हैं। इनमें कोबरा अधिकारी सहायक कमांडेंट सागर बोराडे और कोबरा की 206वीं बटालियन का एक अन्य कमांडो भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सीआरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) जी पी सिंह 19 अप्रैल से लगातार राज्य में डेरा डाले हुए हैं और कभी रायपुर तो कभी जगदलपुर में जा रहे हैं तथा अब तक तीन बार कर्रेगुट्टा पहाड़ियों समेत अभियान क्षेत्र का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि हर दिन सीआरपीएफ और राज्य पुलिस प्रमुख रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय में दो बार मिलते हैं, ताकि अभियान की समीक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि भोजन, पानी और गोला-बारूद की आपूर्ति बनी रहे।

8 करोड़ की एक स्कैल्प मिसाइल, 84 लाख का हैमर बम, 'ऑपरेशन सिंदूर' में इन महंगे और घातक हथियारों का इस्तेमाल

नई दिल्ली : भारतीय सेना ने जिन मिसाइल और हथियारों से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया है, वे बेहद घातक और महंगे वेपन्स हैं. 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में सेना ने चुन-चुनकर 9 स्थानों पर आतंकवादी शिविर को निशाना बनाया गया. इन आतंकी शिविरों पर सटीक हमलों के लिए तीनों सेनाओं ने बेहद शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया है. सूत्रों के अनुसार, इस अभियान में लंबी दूरी के हमलावर हथियारों का हुआ, जिनमें स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर प्रिसिजन बम और लोइटरिंग एम्युनिशन (गोला-बारूद) शामिल थे. आइये आपको बताते हैं इन हथियारों की कीमत

❑ **स्कैल्प मिसाइल : कितनी घातक, क्या है कीमत**

स्टॉर्म शैडो के नाम से भी जानी जाने वाली डउ-डझ मिसाइल एक लंबी दूरी की, हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 250 किलोमीटर से ज़्यादा है, इसे गहरे हमले की क्षमता के लिए डिज़ाइन किया गया है. कई रक्षा एवं समाचार स्रोतों के अनुसार, प्रति मिसाइल इकाई लागत आमतौर पर लगभग 1 मिलियन डॉलर (8,46,18,118 रुपये) होती है.

❑ **हैमर स्मार्ट बम**

हैमर स्मार्ट बम का इस्तेमाल मजबूत बंकरों और बहुमंजिला इमारतों पर हमला करने के लिए किया गया, जिनका इस्तेमाल लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी समूहों द्वारा प्रशिक्षण और रसद केंद्रों के रूप में किया जा रहा था. हैमर बम, सटीक निशाना साधने वाला हथियार है, जो 50-70 किलोमीटर की सीमा में लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है. मिलिट्री इक्यूपमेंट एंड एविएशन गाइड की रिपोर्ट के अनुसार, हैमर बम की प्रति यूनिट लागत लगभग 100,000 (84,62,550 रुपये) है. हालांकि, कीमत बम की साइज और आकार पर निर्भर होती है.

मंत्रिमंडल ने आईटीआई को बेहतर बनाने के लिए 60,000 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय योजना को दी मंजूरी

नयी दिल्ली : सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय योजना एवं कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की बुधवार को मंजूरी दे दी। इसका कुल परिव्यय 60,000 करोड़ रुपये होगा। यह भारत की व्यावसायिक शिक्षा में बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। आधिकारिक बयान के अनुसार, 'योजना का लक्ष्य 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को उद्योग से जुड़े नए 'ट्रेड' (पाठ्यक्रमों) के साथ 'हब' व 'स्पोक' व्यवस्था में उन्नत बनाना और पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) की क्षमता बढ़ाना है। इसमें इन संस्थानों में कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना भी शामिल है।'' वित्त वर्ष 2024-25 और वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में की गई घोषणा के अनुसार, इसे केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा, जिसका परिव्यय 60,000 करोड़ रुपये होगा। इसमें केंद्र की हिस्सेदारी 30,000 करोड़ रुपये, राज्य की 20,000 करोड़ रुपये और उद्योग की 10,000 करोड़ रुपये हिस्सेदारी होगी। साथ ही एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक द्वारा केंद्रीय हिस्से के 50 प्रतिशत की सीमा तक समान रूप से सह-वित्तपोषण किया जाएगा।

चंद्रमा पर होंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री के पदचिह्न, मंगल और शुक्र भी रडार पर : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके अंतरिक्ष यात्रियों के कदम चांद पर पहुंचेंगे। वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन के लिए अपने रिकॉर्ड किए गए संदेश में मोदी ने कहा कि देश में अन्वेषण के मिशनों में ''मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं''। उन्होंने मंगलवार को रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में कहा, ''भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। इसका अर्थ है एक साथ मिलकर ऊंचाइयों को छूना। हम मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष की खोज करने के वास्ते एकसाथ मिलकर लक्ष्य साझा करते हैं।'' उन्होंने कहा

कि भारत ने दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक उपग्रह प्रक्षेपित किया है और 'जी-20' देशों की अध्यक्षता के दौरान घोषित 'जी-20 उपग्रह मिशन' 'ग्लोबल साउथ' के लिए एक उपहार होगा। मोदी ने 2027 की शुरुआत में प्रस्तावित प्रक्षेपण का जिक्र करते हुए कहा, ''हमारा पहला मानव अंतरिक्ष-उड़ान मिशन 'गगनयान' हमारे देश की बढ़ती आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले हफ्तों में, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो-नासा के संयुक्त मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। एक्सिओम-4 मिशन को 29 मई को प्रक्षेपित करने की योजना है और भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री कक्षीय प्रयोगशाला में 14 दिन का प्रवास करेंगे। इसी तरह ग्लेक्स-2025 का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा किया जा रहा है। मोदी ने कहा, ''अंतरिक्ष केवल एक मंजिल नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को प्रदर्शित करती है।'' उन्होंने कहा, ''वर्ष 2035 तक, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में नई सीमाएं खोलेगा। वर्ष 2040 तक किसी भारतीय के कदम चंद्रमा पर होंगे। मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं।''

भारत अगले पांच वर्षों में 52 जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करेगा: इन-स्पेस अध्यक्ष

नयी दिल्ली : भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका ने बुधवार को कहा कि भारत अंतरिक्ष आधारित निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 52 उपग्रहों का एक समूह कक्षा में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि इस कदम से निजी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी देखने को मिलेगी। गोयनका ने यहां वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन 2025 के अवसर पर पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''हमारे पास पहले से ही काफी मजबूत क्षमताएं हैं। बस इसमें निरंतर वृद्धि की जरूरत है।'' उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र की निगरानी क्षमताओं को बढ़ाना है। गोयनका ने कहा, ''अब तक यह काम मुख्य रूप से इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) द्वारा किया जाता रहा है। आगे बढ़ने के साथ ही हम इसमें निजी क्षेत्र को भी शामिल करेंगे।'' ये उपग्रह भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना को दुश्मन की गतिविधियों पर नज़र रखने, सीमाओं की निगरानी करने और सैन्य अभियानों के दौरान तात्कालिक समय समन्वय में सुधार करने में मदद करेंगे।

पूर्वी भारत में बृहस्पतिवार से लू चलने का पूर्वानुमान : आईएमडी

नयी दिल्ली : पूर्वी भारत में बृहस्पतिवार से लू चल सकती है जबकि अगले पांच दिन तक देश के उत्तर-पश्चिमी व मध्य भागों में बारिश और गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने 11 मई तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी बारिश, गरज और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी दी है। विभाग ने यह भी बताया कि बृहस्पतिवार तक गुजरात में गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, मई में भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान देखने को मिल सकता है लेकिन कभी-कभी आंधियों की वजह से गर्मी पिछले वर्ष के गंभीर स्तर तक नहीं पहुंचेगी। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में 'रेड अलर्ट'

लखनऊ : भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए मिसाइल हमलों के मद्देनजर बुधवार को उत्तर प्रदेश में 'रेड अलर्ट' घोषित कर दिया गया। पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने राज्य पुलिस के 'एक्स' खाते से पोस्ट कर कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में 'रेड अलर्ट' घोषित किया गया है।'' पोस्ट में कहा गया, ''उत्तर प्रदेश पुलिस की सभी फील्ड इकाइयों को रक्षाबलों से समन्वय स्थापित करने एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुदृढ़ करने के

निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस सतर्क है, संसाधनों से लैस है, और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जय हिन्द !!'' बाद में, पुलिस महानिदेशक ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के परिप्रेक्ष्य में उत्तर प्रदेश के निवासियों एवं महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिये दिशा-निर्देश जारी किये। इनमें अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी महत्वपूर्ण इमारतों की सुरक्षा को सुदृढ़ और उन्नत करने, भौतिक सुरक्षा, निगरानी प्रणाली और परिधि सुरक्षा को मजबूत करने, आंतरिक सुरक्षा योजना के तहत मॉक ड्रिल आयोजित करने, संबंधित सभी सुरक्षा इकाइयों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश शामिल हैं।

नाम के अनुरूप पायलट बनने की ठान ली थी विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने

नयी दिल्ली : बात 1990 के दशक की शुरुआत की है। व्योमिका सिंह उस वक्त छठी कक्षा में पढ़ रही थीं, और नामों के अर्थ पर चर्चा कर रही थीं, तभी किसी ने कहा, ''तुम व्योमिका हो, जिसका अर्थ है व्योम (आकाश) तुम्हारा है'। उसी दिन उन्होंने तय कर लिया कि वह पायलट बनेंगी। उनका सपना साकार हुआ। आज वह भारतीय वायुसेना में एक विंग कमांडर हैं और बुधवार को उन्हें देश को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी देने के लिए चुना गया, जिससे यह सवाल उठा - कौन हैं व्योमिका सिंह? एक कुशल हेलीकॉप्टर पायलट, व्योमिका सिंह ने विभिन्न प्रकार के विमान उड़ाये हैं और नागरिकों को निकालने के लिए जटिल परिस्थितियों में बचाव अभियानों में हिस्सा लिया है। पहलगाम आतंकी

हमले के जवाब में भारत के सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य कार्रवाई की। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी और थलसेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बुधवार को संवाददाताओं को जानकारी दी। प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव मिसरी के साथ दो महिला अधिकारी - विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया मंच पर बैठी थीं। मिसरी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सरकार की ओर से शुरुआती बयान दिया। उसके बाद दोनों महिला अधिकारियों ने भारतीय सेना द्वारा निशाना बनाए गए स्थलों के बारे में जानकारी मीडिया से साझा की। व्योमिका के पति भी भारतीय वायुसेना में पायलट हैं। व्योमिका ने 2023 में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित पैनल चर्चा के दौरान यह बताया था कि कैसे उनका नाम-व्योमिका, पायलट बनने की उनकी नियति में सहयोगी रहा।

भारतीय पुरूष, महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें विश्व कप दूसरे चरण के फाइनल्स में

शंघाई: भारतीय पुरूष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें बुधवार को विश्व कप के दूसरे चरण के फाइनल्स में पहुंच गई जिससे भारत के कम से कम दो पदक पक्के हो गए। कंपाउंड तीरंदाजों ने जहां अच्छा प्रदर्शन किया, वहीं ओलंपिक में शामिल रिकर्व वर्ग में निराशा हाथ लगी। धीरज बोम्माद-वेरा ही शीर्ष दस में जगह बना सके जबकि बाकी का क्वीफाइंग दौर में स्कोर खराब रहा। भारत के ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा और ऋषभ यादव की नंबर एक टीम ने ब्रिटेन को क्वार्टर फाइनल में 239 . 232 से हराया। इसके बाद डेनमार्क को 232 . 231 से मात दी। महिला कंपाउंड वर्ग में भारत की मधुरा धमनगांवकर, चिकिता तानीपर्थी और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कजाखस्तान की टीम को क्वार्टर फाइनल में हराया। इसके बाद ब्रिटेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां शनिवार को उसका सामना मैक्सिको से होगा। ब्रिटेन के खिलाफ पुरूष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में भारत ने पहली सीरिज 59 . 60 से गंवा दी जिसके बाद 60 . 58 से जीता। तीसरी सीरिज में भारत 60 . 57 से विजयी रहा और चौथा सेट भी इसी अंतर से जीता। सेमीफाइनल में भारत ने पहली सीरिज 57 . 60 से गंवाई जबकि दूसरी में स्कोर 58 . 58 रहा। तीसरी सीरिज भारत ने 115 . 118 से गंवाई। इसके बाद भारत ने 57 . 56 से जीत दर्ज की। महिला कंपाउंड वर्ग में भारत ने कजाखस्तान को 232 . 229 से और ब्रिटेन को 232 . 230 से हराया। रिकर्व वर्ग में विश्व कप कांस्य पदक विजेता धीरज 677 अंक लेकर क्वालीफाइंग दौर में नौवे स्थान पर रहे। वह शीर्ष दस में रहने वाले एकमात्र भारतीय थे। एशियाई खेल 2010 के रजत पदक विजेता तरूणदीप राय 666 स्कोर करके 28वें स्थान पर रहे। वहीं ओलंपियन अतनु दास 57वें स्थान पर रहे। पुरूष टीम वर्ग में भारत सातवें स्थान पर रहा। महिला वर्ग में दीपिका कुमारी 12वें, अंकिता भकत 17वें और अंशिका कुमारी 29वें स्थान पर रही। धीरज और दीपिका रिकर्व मिश्रित वर्ग में आठवें स्थान पर रहे।

रोहित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नयी दिल्ली: रोहित शर्मा ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे सबसे लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गईं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में भारत के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में से एक था। रोहित ने 67 टेस्ट में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए। पिछले साल विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके रोहित अब भारत के लिए केवल वनडे प्रारूप में ही नजर आएंगे। रोहित ने पीटीआई की खबर ब्रेक करने के बाद अपने इंस्टाग्राम पर अपनी टेस्ट कैप के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'सभी को नमस्कार, मैं बस यह साझा करना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से

संन्यास ले रहा हूं। सफेद जर्सी में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है।' उन्होंने लिखा, 'इतने सालों तक मिले प्यार और समर्थन के लिए आपका शुक्रिया। मैं वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा।' रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की कप्तानी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पिछली श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन प्रभावी रहा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत के पास एक नया टेस्ट कप्तान होगा जिसके संभावित उम्मीदवार जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत हो सकते हैं। रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कठिन दौर का सामना किया, जहां उन्हें खराब फॉर्म के कारण अंतिम एकादश से बाहर होने का फैसला करना पड़ा। पर उन्होंने उस समय संन्यास लेने से इनकार कर दिया था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ उनके मतभेदों की भी काफी अटकलें रही थीं जिन्होंने पिछले साल जुलाई में कार्यभार संभालने के बाद भारतीय क्रिकेट में 'स्टार संस्कृति' खत्म करने की बात की थी। दोनों ने लगातार इस बात का खंडन किया। लेकिन गंभीर ने बार बार स्पष्ट किया है कि केवल प्रदर्शन ही टीम में चयन सुनिश्चित करेगा।

ब्रूर और ब्रेविस वे सुपरकिंग्स को वाइट राइडर्स पर दो विकेट की रोमांचक जीत दिलाई

कोलकाता : नूर अहमद की फिरकी के जादू के बाद डेवाल्ड ब्रेविस के तूफानी अर्धशतक से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियर प्रीमियर लीग मैच में बुधवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को बेहद रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हराकर मेजबान टीम की प्ले ऑफ में जगह बनाने की राह बेहद मुश्किल कर दी।इस जीत के साथ सुपरकिंग्स ने लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा दिया लेकिन टीम अब भी 12 मैच में छह अंक के साथ अंतिम पायदान पर है। नाइट राइडर्स की टीम 12 मैच में 11 अंक के साथ छठे स्थान पर है और अधिकतम 15 अंक जुटा सकती है कप्तान अजिंक्य रहाणे (48), आंद्रे रसेल (38) और मनीष पांडे (नाबाद 36) की पारियों से नाइट राइट राइडर्स ने छह विकेट पर 179 रन बनाए जिसके जवाब में सु-परकिंग्स ने 60 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद डेवाल्ड ब्रेविस (52 रन, 25 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक और शिवम दुबे (45 रन, 40 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) के साथ उनकी छठे विकेट की 67 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में आठ विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की। रहाणे ने 33 गेंद की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के जड़े जबकि रसेल ने अपनी ताबड़तोड़ पारी के दौरान 21 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और चार चौके मारे। नाइट राइडर्स की ओर से वैभव अरोड़ा ने 48 रन देकर तीन जबकि वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा ने क्रमश: 18 और 43 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। इससे पहले सुपरकिंग्स की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर नूर सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 31 रन देकर चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में 37 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। आयुश म्हात्रे (00) ने अरोड़ा की पारी की दूसरी ही गेंद पर हर्षित आणा को कैच थमाया। पदार्पण कर रहे उर्विल पटेल (31, 11 गेंद, चार छक्के, एक चौका) ने अरोड़ा पर छक्के से खाता खोला और फिर अगले ओवर में मोईन अली की लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा। मोईन ने हालांकि सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (00) को बोल्ड कर दिया। सुपरकिंग्स ने रविचंद्रन अश्विन को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। उर्विल ने हर्षित पर भी छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को शॉर्ट थर्ड मैन पर वरुण चक्रवर्ती के हाथों में खेल गए। रविंद्र जडेजा ने हर्षित की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन अश्विन (08) इसी ओवर में अंगकृष रघुवंशी के हाथों लपके गए। चक्रवर्ती ने इसके बाद जडेजा (19) को बोल्ड किया जिससे सुपरकिंग्स स्कोर पावर प्ले में पांच विकेट पर 62 रन रहा। डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने सुनील नारायण के पहले ओवर में चौके मारे। ब्रेविस ने नारायण पर छक्का जड़ा। उन्होंने 11वें ओवर में अरोड़ा को निशाना बनाते हुए तीन छक्कों और तीन चौकों से 30 रन जोड़कर 22 गेंद में अपना पहला आईपीएल अर्धशतक पूरा किया और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया।

रौड्रिग्स का शतक, भारतीय महिला टीम 23 रन से जीतकर फाइनल में, श्रीलंका से होगा सामना

कोलंबो: जेमिमा रौड्रिग्स की कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 123 रन की पारी तथा सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (51 रन) और दीप्ति शर्मा (93 रन) के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 23 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना श्रीलंका से होगा। चौबीस वर्ष की रौड्रिग्स की 15 चौकों और एक छक्के जड़ित 101 गेंद की पारी से भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 337 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। फिर अपनी तेज गेंदबाज अमनजोत कौर (59 रन देकर तीन विकेट) और ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (57 रन देकर दो विकेट) की मदद से दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट पर 314 रन ही बनाने दिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए एनेरी डर्कसेन की 81 रन और कप्तान क्लो ट्रायोन की 67 रन की पारी भी काम नहीं आ सकी। भारत ने रॉउड रॉबिन चरण का अंत चार मैच में छह अंक के साथ समाप्त किया। श्रीलंका के तीन

मैच में चार अंक हैं और शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को हराकर वह दो अंक और हासिल कर सकता है। दक्षिण अफ्रीका लगातार तीन मैच गंवाकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया जबकि उसे अभी श्रीलंका के खिलाफ एक मैच खेलना है। इससे पहले रौड्रिग्स ने मंधाना के साथ पहले विकेट के लिये 99 गेंद में 88 रन की साझेदारी की। इसके बाद दीप्ति के साथ 115 गेंद में 122 रन जोड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिये तेज गेंदबाज मसाबाता क्लास , एन डि क्लेर्क और स्पिनर नोंकुलुलेको एमब्लाबा ने दो दो विकेट लिये। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर भारत की सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल (एक) जल्दी आउट हो गई। उन्हें डि क्लेर्क ने पवेलियन भेजा। हरलीन दयोल भी टिक नहीं सकी और उनके आउट होने पर भारत का स्कोर दो विकेट पर 18 रन था। कप्तान हरमनप्रीत कौर 28 रन बनाकर एनेरी डर्कसेन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठी। इसके बाद मंधाना और रौड्रिग्स ने पारी को संभाला। मंधाना ने शोल ट्रायोन की गेंद पर डीप मिडविकेट में खराब पूल शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया।

आपरेशन सिंदूर के मद्देनजर धर्मशाला हवाई अड्डा बंद, आईपीएल टीमों की यात्रा प्रभावित

नयी दिल्ली/धर्मशाला: पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद होने के कारण आईपीएल टीमों की यात्रा का कार्यक्रम प्रभावित हुआ है जिन्हें वहां खेलना है और बीसी-सीआई इस अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। धर्मशाला में बृहस्पतिवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच होना है। इसके बाद 11 मई को पंजाब और मुंबई इंडियंस का मैच वहां खेला जाना है। मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी अनिश्चित है। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए शाम के मैच में 'फ्लडलाइट्स' का प्रयोग सुरक्षा मुद्दा है और इसका असर इस बात पर पड़ सकता है कि मैच तय कार्यक्रम के अनुसार होगा या नहीं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया,'हमें बीसीसीआई या केंद्र और राज्य सरकारों से कल के मैच को रद्द करने के बारे में कोई लिखित सूचना नहीं मिली है।

पंड्या और नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिये जुर्माना

मुंबई: मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम पर धीमी ओवरगति के लिये भारी जुर्माना लगाया गया जबकि गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर खेलभावना के विपरीत आचरण के लिये जुर्माना और डिमेरिट अंक लगाये गए। मुंबई को आईपीएल के वर्षाबाधित मैच में गुजरात ने डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर तीन विकेट से हराया। आईपीएल ने एक बयान में कहा,'यह आईपीएल आचार संहिता के तहत इस सत्र में उनकी टीम का धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था। पंड्या पर 24 लाख रूपये जुर्माना लगाया गया है।'मुंबई की बाकी टीम और स्थानापन्न खिलाड़ियों पर छह लाख रूपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है। नेहरा की गलती के बारे में विज्ञप्ति में बताया नहीं गया लेकिन बार बार बारिश के कारण मैच रूकने के दौरान उन्हें आपा खोते देखा गया। वह मैदानी अंपायरों से भी बार बार बात कर रहे थे।

मेटा ने निवेश फर्जीवाड़े में लिप्त 23,000 फेसबुक पेज, खाते हटाए

नयी दिल्ली: सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने बुधवार को कहा कि मार्च में फर्जीवाड़े में लिप्त 23,000 से अधिक फेसबुक पेज और खातों को हटा दिया गया जिनका इस्तेमाल ब्राजील और भारत के लोगों को निशाना बनाने के लिए किया जाता था। फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने कहा कि घोटालेबाजों ने ब्राजील और भारत में डीपफेक जैसी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर लोगों के साथ फर्जीवाड़ा करने की कोशिश की। मेटा ने कहा कि घोटालेबाज व्यक्तिगत वित्त के लोकप्रिय सामग्री निर्माताओं, क्रिकेट खिलाड़ियों और व्यापारिक हस्तियों को प्रौद्योगिकी की मदद से गलत ढंग से पेश कर घोटाले के निवेश ऐप और जुआ खिलाने वाली वेबसाइट का समर्थन कर रहे थे। मेटा के मुताबिक, फर्जीवाड़ा करने वाले लोगों को 'निवेश सलाह' के लिए मैसेजिंग ऐप पर भेज देते थे और कभी-कभी एक नकली वेबसाइट पर लेकर चले जाते थे। मेटा ने बयान में कहा, 'मार्च में हमने धोखाधड़ी की कई गतिविधियों में लिप्त रहे 23,000 से अधिक फेसबुक पेज और खातों को हटा दिया, जो मुख्य रूप से ब्राजील और भारत के लोगों को लक्षित करते थे।'

ब्रिटेन के साथ एफटीए के तहत भारत हीरा, चांदी, स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर पर कोई शुल्क छूट नहीं देगा

नयी दिल्ली: भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत हीरा, चांदी, स्मार्टफोन और ऑप्टिकल फाइबर जैसे कई संवेदनशील औद्योगिक उत्पादों पर ब्रिटेन की कंपनियों को कोई शुल्क रियायत नहीं देगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन से पेट्रोल और डीजल इंजन वाहन के आयात पर शुल्क रियायत पूर्व-निर्धारित कोटा तक सीमित है। इसी तरह, सीमा शुल्क की रियायती दर पर ब्रिटिश इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के आयात का कोटा केवल कुछ हजार तक सीमित है। प्लास्टिक, हीरा, चांदी, बेस स्टेशन, स्मार्टफोन, टेलीविजन कैमरा ट्यूब, ऑप्टिकल फाइबर, ऑप्टिकल फाइबर बंडल और केबल जैसे संवेदनशील औद्योगिक सामान एफटीए को एफटीए की सूची से बाहर रखा गया है। भारत, ब्रिटेन को इन वस्तुओं पर कोई आयात शुल्क लाभ नहीं देता है। वाहन क्षेत्र को खोलने के बारे में अधिकारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चौथे सबसे बड़े वाहन विनिर्माता के रूप में भारत के पास वाहन मूल्य श्रृंखला में वैश्विक अगुवा के रूप में उभरने की रणनीतिक क्षमता है। भारत के मजबूत विनिर्माण आधार के बावजूद, वैश्विक वाहन बाजार में इसकी

हिस्सेदारी कम बनी हुई है, जो विस्तार की व्यापक संभावनाओं को दर्शाता है। आईसीई (आंतरिक दहन इंजन) यानी परंपरागत ईंधन के वाहनों के लिए ब्रिटेन के बाजार तक पहुंच से देश के वाहन और वाहन कलपुर्जों के निर्यात को बढ़ावा मिलने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, 'ईवी के लिए कोटा से बाहर शुल्क में कोई कमी नहीं की गई है। ईवी से जुड़ी संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। आईसीई वाहनों पर कोटा से बाहर शुल्क को लंबे समय में धीरे-धीरे कम किया जाएगा, जिससे हमारे उद्योगों को ब्रिटेन से बढ़ने वाले आयात का मुकाबला करने के लिए वक्त मिल सके।' भारत और ब्रिटेन ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात करना आसान बना देगा। इस समझौते का मकसद 2030 तक दोतरफा व्यापार को मौजूदा के 60 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना करना है।

भारत ने एफटीए के तहत ब्रिटेन की कंपनियों के लिए सरकारी खरीद क्षेत्र खोला

नयी दिल्ली: भारत ने मंगलवार को घोषित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत ब्रिटेन की कंपनियों के लिए केंद्र सरकार की खरीद को खोल दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन की फर्मों को केवल गैर-संवेदनशील केंद्रीय संस्थाओं द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में शामिल होने की अनुमति होगी।

पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर हमले से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स 106 अंक चढ़ा

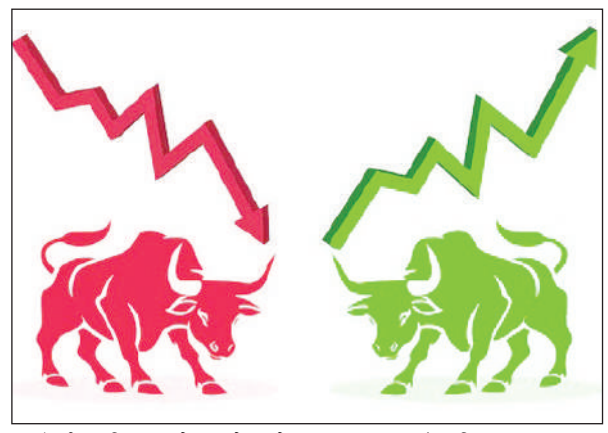

मुंबई: पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमले के बाद स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को कारोबार बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। हालांकि, मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के अंत में 105.71 अंक यानी 0.13 प्रतिशत चढ़कर 80,746.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 80,844.63 अंक के ऊपरी स्तर तक गया और 79,937.48 अंक के निचले स्तर तक आया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 34.80 अंक यानी 0.14 प्रतिशत बढ़कर 24,414.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 24,449.60 के उच्च स्तर और 24,220 के निम्न स्तर के बीच घूमता रहा। व्यापक बाजार के सूचकांक भी शुरुआती दौर में आई बड़ी गिरावट से उबरने में सफल रहे और एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, आतंकवादी हमले का जवाब सैन्य कार्रवाई से देने के बाद कारोबारी सत्र की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। लेकिन बाद में यह तेजी से नुकसान की भरपाई करने में सफल रहा और बढ़त के साथ बंद हुआ।

सीमापार तनाव के बीच सोना एक बार फिर एक लाख रुपये के पार पहुंचा

नयी दिल्ली: भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ने से मांग में आई तेजी के बीच सोने की कीमतें राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को 1,000 रुपये चढ़कर एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि दिल्ली के बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को यह 99,750 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। सोना इसके पहले 22 अप्रैल को भी 1800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। भारतीय सशस्त्र बलों ने देर रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले महीने हुए आतंकवादी हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ये हमले किए गए। इस आतंकी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई थी। वहीं, बुधवार को 99.5 प्रतिशत की शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,050 रुपये बढ़कर 1,00,350 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। यह पिछले सत्र में 99,300 प्रति 10 ग्राम पर रही थी।

सरकार ने एल्युमीनियम, तांबा, सीसा, जस्ता जैसे तत्वों के पुनर्चक्रण पर केंद्रित पोर्टल पेश किया

नयी दिल्ली: सरकार ने बुधवार को अंशधारकों को एक साथ लाने, आंकड़ों की दृश्यता में सुधार करने और एल्युमीनियम, तांबा, सीसा, जस्ता और महत्व-पूर्ण तत्वों के पुनर्चक्रण में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने के लिए एक पोर्टल पेश किया। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने अलौह धातु रीसाइक्लिंग वेबसाइट और अंशधारकों के पोर्टल का शुभारंभ किया। खान मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह मंच राष्ट्रीय अलौह धातु कबाड़ पुनर्चक्रण (स्क्रैप रीसाइक्लिंग) ढांचे के कार्यान्वयन दिशानिर्देशों के तहत विकसित किया गया है।

सब्जियों की कीमतों में नरमी से अप्रैल में भोजन की लागत कम हुई

मुंबई: इस साल अप्रैल में सब्जियों की कीमतों में नरमी से घर में बने भोजन की लागत में कमी आई है। एक रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने अपनी रिपोर्ट 'रोटी चावल कीमत' में कहा कि अप्रैल में एक सामान्य शाकाहारी थाली की लागत सालाना आधार पर चार प्रतिशत और मासिक आधार पर एक प्रतिशत कम होकर 26.3 रुपये रह गई। सब्जियों की कीमतों में तेज गिरावट के कारण भोजन सस्ता हुआ। इस दौरान टमाटर 34 प्रतिशत, आलू 11 प्रतिशत और प्याज छह प्रतिशत सस्ता हुआ। रिपोर्ट में कहा गया कि उच्च आयात शुल्क के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में 19 प्रतिशत और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में छह प्रतिशत की वृद्धि ने थाली की लागत में गिरावट को सीमित किया। इसके

मुताबिक, मांसाहारी थाली की कीमत में सालाना आधार पर चार प्रतिशत और मासिक आधार पर दो प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 53.9 रुपये प्रति थाली पर आ गई है। रिपोर्ट कहती है कि मांसाहारी भोजन की कीमत में गिरावट सब्जियों और पॉल्ट्री की कीमतों में कमी के कारण हुई, जो कुछ प्रायद्वीपीय राज्यों में बर्ड फ्लू के कारण मांग प्रभावित होने के कारण अधिक आपूर्ति के कारण प्रभावित हुई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा,'आने वाले दिनों में मजबूत घरेलू उत्पादन के बीच गेहूं और दालों की कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है। वैश्विक आपूर्ति में तेजी आने से खाद्य तेल की कीमतों में भी अगले 2-3 महीनों में नरमी आ सकती है।'

रुपया 45 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 84.80 प्रति डॉलर पर

मुंबई: पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी शिविरों पर भारत के सैन्य हमलों के बाद सीमापार तनाव बढ़ने से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ने के कारण बुधवार को अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 45 पैसे लुढ़ककर 84.80 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के, पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा शामिल है। पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की जान गई थी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाए जाने और पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी शिविरों पर हमला करने के बाद बुधवार को भारतीय रुपये में गिरावट आई।

वर्ष 10, पूर्णांक 4229 अंक 039, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in